सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 250 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 23 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में खोज के दौरान मिले पांच हीरे

सीएम विष्णुदेव साय बोले- छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगा नया आयाम

■ **वैज्ञानिक खोज की सफलता से खनिज क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसर**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महासमुंद जिले के सरायपाली क्षेत्र स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में वैज्ञानिक खोज के दौरान 200 टन खनिज सामग्री की प्रोसेसिंग से पांच हीरे मिले। इन हीरों का कुल वजन 1.22 कैरेट है। विशेषज्ञ इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहे हैं, क्योंकि इससे क्षेत्र में हीरे के बड़े भंडार मिलने की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। एनएमडीसी और छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (सीएमडीसी) की संयुक्त कंपनी एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड ने इस खोज की आधिकारिक पुष्टि की है।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड के अनुसार क्षेत्र में स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, जियोफिजिकल सर्वे और 500 मीटर गहरी एक्सप्लोरेटरी ड्रिलिंग के बाद संभावित हीरा क्षेत्र की पहचान की गई थी। इसके आधार पर 200 टन सामग्री को मध्यप्रदेश के पन्ना स्थित डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट भेजा गया, जहां जांच के दौरान पांच हीरे प्राप्त हुए। कंपनी ने 22 जून 2026 को जारी एक आधिकारिक पत्र में इसकी पुष्टि की है। पत्र में यह भी बताया गया है कि NMDC-CMDC के पास हीरों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था नहीं है, इसलिए सभी 5 हीरों को NMDC के पन्ना स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित जमा कर दिया गया है।

मिले हीरों में दो जेम क्वालिटी के सफेद हीरे शामिल हैं, जिनका वजन 0.19 और 0.06 कैरेट है। इसके अलावा एक पीले रंग का हीरा 0.32 कैरेट तथा दो भूरे रंग के हीरे 0.59 और 0.06 कैरेट वजन के मिले हैं। खनिज विशेषज्ञों का कहना है कि प्रारंभिक चरण में जेम क्वालिटी हीरों का मिलना अत्यंत सकारात्मक संकेत है और यह क्षेत्र में आगे बड़े पैमाने पर हीरा भंडार की संभावना को दर्शाता है। Gem Qualit 4 हीरे सबसे अच्छी क्वालिटी के होते हैं। ये जेवर (आभूषण) बनाने के लिए इस्तेमाल होते हैं। इनमें अच्छी चमक, पारदर्शिता और बेहतर रंग होता है। महासमुंद में मिले दोनों Gem Qualit 4 हीरे (0.19 और 0.06 कैरेट) सफेद रंग के हैं, जो सामान्य हीरों से काफी बेहतर हैं। Non-Gem हीरे औद्योगिक कामों (जैसे कटिंग टूल्स) के लिए होते हैं, जबकि Gem Qualit 4 हीरे जेवर उद्योग में जाते हैं और इनकी कीमत बहुत ज्यादा होती है।

छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत उत्साहजनक बताते हुए कहा कि प्रदेश की आर्थिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण, पारदर्शी प्रबंधन और मूल्य संवर्धन आधारित औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहले से ही देश के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल है और लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट तथा चूना पत्थर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अब हीरा संभावनाओं की पुष्टि से प्रदेश की खनिज विविधता और अधिक समृद्ध होगी तथा खनिज अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय ने बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रख्यात शिक्षाविद्,भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए समर्पित किया। उनके विचार, संघर्ष और त्याग भारतीय लोकतंत्र एवं राष्ट्रवादी चिंतन की अमूल्य धरोहर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की राजनीति को वैचारिक आधार प्रदान किया तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्र की अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्रोत है।

छत्तीसगढ़ एडीपीओ भर्ती के लिए आवेदन शुरू, 21 जुलाई अंतिम तिथि

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने लॉ ग्रेजुएट्स के लिए असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट पब्लिक प्रॉसिक्यूशन ऑफिसर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 15 नियमित राजपत्रित द्वितीय श्रेणी पदों को भरेगा। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 22 जून 2026 दोपहर 12 बजे से शुरू होकर 21 जुलाई 2026 रात 11:59 बजे समाप्त होगी। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 15 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। उम्मीदवार के पास विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय या संस्थान से एलएलबी की डिग्री होना अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अभी अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे आवेदन के पात्र नहीं होंगे। 1 जनवरी 2026 के अनुसार न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष, छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों के लिए अधिकतम आयु 40 वर्ष तथा अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु 30 वर्ष होगी।

टाटेकसा जलाशय योजना के सर्वेक्षण को मिली हरी झंडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जल प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के अंतर्गत विकासखंड अंबागढ़ चौकी की टाटेकसा जलाशय योजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए 3 करोड़ 47 लाख 1 हजार रुपए की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में यह योजना बेहद कारगर साबित होगी।

छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक

बस्तर से लेकर सरगुजा तक बदला मौसम, आंधी बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून के प्रवेश के साथ ही भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को राहत मिलनी शुरू हो गई है। लंबे इंतजार के बाद प्रदेश में पहुंचे मानसून ने कई जिलों में मौसम का मिजाज बदल दिया है। दंतेवाड़ा, बीजापुर, रायपुर और बस्तर संभाग के कई हिस्सों में हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और वातावरण में ठंडक घुल गई है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आगामी पांच दिनों तक बारिश और तेज हवाओं की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। हालांकि मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में अगले दो दिनों तक तापमान सामान्य से करीब तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है।

राजधानी रायपुर में मंगलवार सुबह बादलों की आवाजाही के बीच मौसम सुहावना बना रहा। दिन में भी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक रायपुर में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। साथ ही तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बारिश होने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने बताया कि समुद्र तल पर सक्रिय मौसमी द्रोणिका राजस्थान से उत्तर प्रदेश और बिहार तक विस्तारित है। वहीं तेलंगाना से तमिलनाडु होते हुए एक अन्य द्रोणिका बनी हुई है, जिसका असर यहां पड़ रहा है। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

एक हफ्ते बाद लौटा टेलीग्राम, बैन हटते ही प्लेस्टोर पर हुई वापसी

नईदिल्ली। सरकार की ओर से निर्धारित समयसीमा पूरी होने के बाद 22 जून की आधी रात को गूगल ने टेलीग्राम को बहाल कर दिया। कुछ मौजूदा यूजर्स के लिए प्लेटफॉर्म पहले से ही सीमित रूप से उपलब्ध था, लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे मंगलवार सुबह फिर से एक्सेस किया जा सका। हालांकि एपल एप स्टोर पर सुबह लगभग 10 बजे तक डीलिस्ट रहा। इस संबंध में एपल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

सरकार ने 16 जून 2026 को टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से बैन लगा दिया था। यह फैसला नीट परीक्षा से जुड़े फर्जी प्रश्नपत्रों, भ्रामक सूचनाओं

और परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली कथित धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने में विफल रहने के बाद लिया था। सरकारी अधिकारियों ने 3 जून को टेलीग्राम के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इन चिंताओं को साझा किया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने एप, वेब वर्जन और उससे जुड़े लिंक को 22 जून तक ब्लॉक करने का आदेश दिया।

टूटी पुलिया से बाइक समेत नीचे गिरा युवक, मौके पर मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक युवक अपनी बाइक समेत क्षतिग्रस्त पुलिया से नीचे गिर गया। इस घटना में सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे रायगढ़-घरघोड़ा मुख्य मार्ग पर हादसा हुआ। चिराईपानी पहाड़ के पास स्थित एक क्षतिग्रस्त पुलिया पर यह दुर्घटना हुई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय जयप्रकाश के रूप में हुई है। वह पाकुट थाना लैलूंगा का निवासी था। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी।सड़क हादसे की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को तत्काल अस्पताल भेज दिया। मृतक के परिजनों को भी इस दुखद घटना की जानकारी दे दी गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

लखनऊ अग्निकांडः जांच के लिए पहुंची एसआईटी की टीम, फोरेंसिक के सदस्यों ने सील की इमारत

लखनऊ। कोचिंग सेंटर में अग्निकांड की जांच शुरू हो चुकी है। घटना के बाद मंगलवार को एसआईटी के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है। फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए पूरी इमारत को सील कर दिया है। टीम अंदर से सबूत जुटा रही है। अभी भी यह पूरी तरह से आधिकारिक तौर पर साफनहीं हो पाया है कि यह हादसा कैसे हुआ। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह एसी के फटने से हुई है।

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगंज अग्निकांड को लेकर देर रात

उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें दोषियों को चिह्नित करने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया। वहीं, अलीगंज थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीएम के निर्देश पर गठित एसआईटी में संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और लखनऊ के एडीजी जोन प्रवीण कुमार सदस्य हैं। जांच दल सात दिन में रिपोर्ट सीएम को सौंपेगा। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या दोषी पाए गए गौरव कुमार, एक्सेन कलेक्शन (बिजली विभाग) जानकीपुरम, कमलेंद्र कुमार सिंह, एफएसएसओ (फायर विभाग) इंदिरा नगर, अनिल कुमार, एई, एलडीए और प्रमोद पांडे, जेई-एलडीए के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

जहां कभी था आतंक और भय, वहां आज विकास का दौर : पीएम मोदी

■ **सुरक्षा बलों के शौर्य से बस्तर में लौटी शांति - मुख्यमंत्री साय**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नक्सलवाद के खिलाफदेश की लड़ाई को विकास और जनविश्वास की विजय बताते हुए कहा है कि सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया था और आज उसके सकारात्मक परिणाम पूरे देश के सामने हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय, हिंसा और अविश्वास का वातावरण था, वहां आज विकास, सुशासन और नई संभावनाओं का युग प्रारंभ हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक

समय नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य नागरिक निरंतर भय के साये में जीवन जीने को मजबूर थे। लोगों को अपनी सुरक्षा, आजीविका और सम्मान की चिंता रहती थी। विकास कार्यों को आगे बढ़ाना अत्यंत कठिन था। सड़क निर्माण से लेकर संचार सुविधाओं के विस्तार तक हर प्रयास का हिंसक विरोध किया जाता था। कई बार निर्माण सामग्री को जला दिया जाता था, ठेकेदारों को धमकाकर भगा दिया जाता था और विकास कार्यों को रोकने की कोशिश की जाती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बीते वर्षों में हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया, हजारों मोबाइल टावर स्थापित किए गए और दूरस्थ गांवों तक संचार सुविधाएं पहुंचाई गईं। बैंकिंग सेवाओं, डाक सेवाओं और वित्तीय समावेशन के माध्यम से लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में विश्वास और अवसरों का विस्तार है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नेशन फर्स्ट' संकल्प, दूरदर्शी नेतृत्व और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस ने बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था, वहां आज विकास का आत्मविश्वास दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित रणनीति, सुरक्षा बलों की वीरता तथा स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सलवाद का अध्याय अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर की पहचान हिंसा नहीं, बल्कि विकास, जनभागीदारी, खेल, पर्यटन और नई संभावनाओं से बन रही है। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन और अंत्योदय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया की 3 नंबर जर्सी मिली: कहा- शब्द नहीं

नईदिल्ली। वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। क्चष्टष्ठ की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे।

सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छूए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया।

सूर्यवंशी बोले- आज वह सपना पूरा हो गया

इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है।

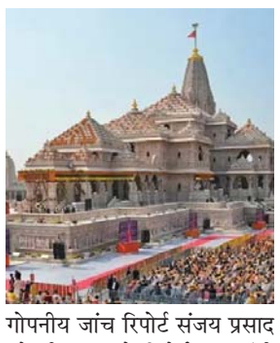

चंदा चोरी कांडः एसआईटी ने शासन को सौंपी रिपोर्ट, चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशन के सुबूत

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट एसआईटी ने मंगलवार सुबह अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी है। रिपोर्ट में चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशनखोरी के खेल के सुबूत हैं। मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति, गणना प्रक्रिया में भी बड़े हेरफेर की आशंका एसआईटी ने जताई है। उससे संबंधित तमाम साक्ष्य जुटाए हैं। गवाहों का भी जिक्र रिपोर्ट में किया गया है।

एसआईटी में शामिल लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ आईजी रेंज किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन सुबह करीब 11 बजे शासन पहुंचे। तीनों अधिकारियों ने

गोपनीय जांच रिपोर्ट संजय प्रसाद को दी। अब ये रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने रखी जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर सबसे बड़ा सवाल उठाया गया है। कुछ की भूमिका भी उजागर की गई है। अंदेशा जताया गया है कि वह हेरफेर में शामिल रहे हैं। वहीं कुछ पदाधिकारियों को लापरवाही का दोषी पाया गया। जिनकी निगरानी में चढ़ावा चोरी हुआ। फिलहाल मामले में सबसे अधिक जो पदाधिकारी सवालों के घेरे में हैं, उनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा व निर्माण सहायक गोपाल राव का नाम शामिल है। इसके अलावा इन पदाधिकारियों के रिश्तेदार व करीबियों का भी जांच रिपोर्ट में जिक्र है। खासकर चंपत राय के करीबी टिन्नू यादव, अनिल मिश्रा के रिश्तेदार, गोपाल राव के रिश्तेदार सोम आदि का। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी में सीधे तौर पर 25-30 लोगों की भूमिका पाई गई है। अब इन सभी पर जल्द केस दर्ज हो सकता है।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

सरकारी प्रयासों व जागरूकता में लाएं तेजी

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य श्रृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है।

" जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य श्रृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है।

दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत सरकार ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष अपनी प्रतिबद्धता बार-बार जतायी है। इस संकट से उबरने के लिये नवीकरणीय ऊर्जा के विकल्प को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया है। देश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। देश वनों का दायरा को भी बढ़ाने की जरूरत है। विकास देश की प्राथमिकता है, लेकिन यह विकास वनों के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। साथ ही इस दिशा में जो भी कदम उठाये जाएं उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर कितना हो रहा है, इस बात का लगातार मूल्यांकन भी जरूरी है। साथ ही रीति-नीतियों को प्रभावी तरीकों से अमलीजामा पहनाने की जरूरत होगी। जिसके लिये लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाइयों ग्राम पंचायत से लेकर शहरी निकायों को भी शामिल करने की जरूरत होगी। दरअसल, जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट केवल भारत की ही चुनौती नहीं है। यह एक वैश्विक संकट है। जो इस बात से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने पूरी दुनिया में आठ लाख से अधिक लोगों को असमय काल का ग्रास बनाया है। लेकिन इस संकट की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसकी सबसे बड़ी कीमत वे विकासशील व गरीब देश चुका रहे हैं, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम भूमिका रही है। दुर्भाग्य से विकासशील देश जहां इन संकटों की दृष्टि से जहां ज्यादा संवेनशील हैं, वहीं इससे मुकाबले के लिये उनके संसाधन सीमित हैं। उनके प्रतिरोध की क्षमता सीमित है। जिन्हें तत्काल व्यापक वित्तीय सहायता की जरूरत है। ऐसे में विकसित देशों का नैतिक दायित्व बनता है कि उनका सहयोग सिर्फ विकासशील देशों को वित्तीय व तकनीकी सहयोग तक सीमित न रहे। साथ ही वे अपने कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाएं।

रिफॉर्म एक्सप्रेस के अंतर्गत बढ़ रही न्यायिक सुगमता

अर्जुन राम मेघवाल

न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सामूहिक रूप से उन संस्थागत व?यवस?थाओं को दर्शाते हैं जिन्होंने मानव सभ्यता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया, मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ़ने में सहायता की। मानव सभ्यता के अनवरत विकास के फलस्वरूप ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में एक-दूसरे से जुड़े व्यक्तियों और समुदायों के आपसी संबंधों में भी विभिन्न विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है, तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बाध आदान-प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स?थापित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संघर्ष के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुनः स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याण की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वास और सहभागिता का अनुभव कराता है।

इसी स्थायी संस्थागत प्रतिबद्धता के कारण एक ऐसी सशक्त व्यवस्था निर्मित होती है जो न केवल न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करती है बल्कि प्रत?येक नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए अनिवार्य है। वर्तमान संदर्भ में विकसित भारतीय न्यायशास्त्र ने स्वयं को आधुनिक चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों के अनुरूप ढाल लिया है। हमारी संवैधानिक विरासत हमें स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं का स्वप्न साकार करते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं।

स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते।

हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया।

देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में संपूर्ण शासन व्यवस्था ने रिफॉर्म एक्सप्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्ति का परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, 'राष्ट्र प्रथम' के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है।

इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवं सभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है। यह एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें विधायी आधुनिकीकरण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और डिजिटल नवाचार शामिल हैं। 'ईज ऑफ जस्टिस' हमारे लिए मात्र एक कथन नहीं है बल्कि यह एक सुधार का मंत्र है जिसमें न्याय के लिए अदालत की शरण में जाने वालों के लिए 'ईज ऑफइंगेजमेंट', अधिवक्ताओं और न्यायाधिशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंग' तथा नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैंडिंग' शामिल है। न्याय हेतु अदालतों की शरण में जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए DISHA योजना के तहत टेली-लॉ, न्याय बंधु और प्रो बोनो सेवाओं के विस्तार ने न्याय प्राप्ति को अत्यंत सुलभ और किफायती बना दिया है। कॉमन सर्विस सेंटर के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित टेली-लॉ कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के 112 लाख से अधिक लाभार्थियों को अदालतों में मुकदमे दायर करने से पहले मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त करने का लाभ मिला है। ई-फाइलिंग और ई-सेवा केंद्र की सेवाओं ने अदालत में मुकदमा दायर करने वाले व्यक्तियों और न्यायिक व्यवस्था के बीच नियमित संवाद एवं संपर्क को और अधिक सरल बनाया है। आधुनिक प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय का भारत का यह अनूठा मॉडल वैश्विक स्तर पर एक मानक के रूप में उभरा है।

अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंग' को डिजिटल और भौतिक अवसंरचना दोनों में व्यापक विस्तार द्वारा उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया गया है। चूंकि जिला एवं अधीनस्थ न्यायपालिका देश के अधिकांश नागरिकों के लिए न्यायिक व्यवस्था का पहला संपर्क बिंदु है, अतः इसे सुदृढ़ करना एक अनिवार्य और व्यावहारिक प्राथमिकता बनी हुई है। इसी दृष्टि से, केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत न्यायालय भवन, अधिवक्ता कक्षों, आवासीय इकाइयों तथा डिजिटल अवसंरचना के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, देश में न्यायालय भवनों की संख्या वर्ष 2014 के 15,818 से बढ़कर 22,712 हो गई है तथा अत्याधुनिक एकीकृत न्यायालय परिसरों के विकास हेतु वर्ष 2014 के बाद से अब तक 9,400.40 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 7200 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय से शुरू की गई ई-कोर्ट चरण-ढ्ढढ्ढ परियोजना का उद्देश्य न्यायालयों को पूर्णतः डिजिटल, पेपरलेस और एआई-सक्षम न्याय वितरण संस्थानों में परिवर्तित करना है। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं, वर्चुअल कोर्ट और अदालती कार्यवाही की लाईव स्ट्रीमिंग जैसी पहलों ने न्यायपालिका को लोगों के और करीब ला दिया है तथा न्याय वितरण को अधिक सुलभ, पारदर्शी और कुशल बनाया है।

भारत जैसे भाषाई विविधता वाले देश में नागरिकों के लिए 'ईज ऑफअंडरस्टैंडिंग' का होना 'ईज ऑफ जस्टिस' के व्यापक ढांचे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर और भाषिणी जैसे एआई- संचालित नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग उपकरण उच्चतम न्यायालय के निर्णयों एवं आदेशों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं, जिससे आम जनता के लिए कानूनी जानकारी अधिक सुलभ हो रही है। इस प्रयास को और अधिक सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड जो एक सांख्यिकीय एवं विश्लेषणात्मक मंच है, 340 मिलियन से अधिक अदालती आदेशों एवं उनसे संबंधित जानकारियों के विश्लेषण तक एक क्लिक में पहुंच प्रदान करता है। साथ ही, सरकार शिक्षाविदों के सहयोग से सरल और सहज विधायी प्रारूपण (ड्राफ्टिंग) को बढ़ावा दे रही है ताकि कानूनों को अधिक सरल और आम नागरिकों के अनुकूल बनाया जा सके।

भारत में औपनिवेशिक दंड संहिता के स्थान पर नई आपराधिक न्याय प्रणाली को लागू करने से दाण्डिक व्यवस्था के स्थान पर न्यायिक व्यवस्था स्थापित हुई है। ई-कोर्ट, ई-प्रोसीक्यूशन, ई-प्रिजन और ई-फोरेंसिक को अपराध तथा आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम के साथ जोड़ना भी एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कदम है। 'न्याय श्रुति' प्लेटफॉर्म ने वर्चुअल उपस्थिति और गवाहों के बयानों को रिकॉर्ड करने की प्रक्रिया को इतनी कुशलता से सुगम बनाया है कि जब कोई अदालत किसी नागरिक को जमानत देती है, तो डिजिटल जमानत आदेश तुरंत जेल पोर्टल पर पहुंच जाता है जिससे कागजी कार्रवाई और प्रशासनिक देरी समाप्त हो जाती है, जो पारंपरिक रूप से समय पर रिहाई में बाधा डालती थी। यह वास्तविक समय में केस डेटा के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है और एक अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली का मार्ग प्रशस्त करता है।

उच्च न्यायपालिका की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भी सार्थक उपाय किए गए हैं। उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या वर्ष 2014 के 906 से बढ़कर 1122 हो गई है। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या भी 31 थी जिसे वर्ष 2019 में बढ़ाकर 34 कर दिया गया है तथा उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 के माध्यम से इसे बढ़ाकर 38 कर दिया गया है। पिछले 12 वर्षों में देश के उच्च न्यायालयों में सामाजिक रूप से विविध पृष्ठभूमि वाले 1175 न्यायाधीशों की तथा उच्चतम न्यायालय में 77 न्यायाधीशों की नियुक्ति न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कार्यपालिका और न्यायपालिका के समन्वित प्रयासों को दर्शाती है।

यह स्पष्ट है कि अनावश्यक कानूनों की जटिलता संबंधित पक्षों पर अनावश्यक बोझ डालती है। 40,000 से अधिक अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने तथा औपनिवेशिक युग के 1725 निरर्थक और अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने से विभिन्न क्षेत्रों में ईज ऑफडुइंग बिजनेस में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही, आर्बिट्रेशन संबंधी कानूनों को सुदृढ़ करना, इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा मेडिएशन एक्ट 2023 के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना तथा इस क्षेत्र में भारत के वैश्विक नेतृत्व को दर्शाता है।

वर्तमान में जबकि विश्व जटिल भू-राजनीतिक परिवर्तनों और आर्थिक अनिश्चितताओं से गुजर रहा है, भारत के विधिक और राजनयिक नेतृत्व ने क्क्रढ्ढष्टस देशों के न्यायमंत्रियों की बैठक, 2026 के दौरान मेडिएशन और आर्बिट्रेशन को विवाद समाधान के लिए अधिक प्रभावी और सुलभ माध्यम के रूप में स्थापित करने हेतु एक सामूहिक प्रतिबद्धता के रूप में गांधीनगर घोषणा पत्र को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे वैश्विक सहयोगों का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या को कम करना, व्यापार और निवेश के लिए स्थिर एवं सुविचारित परिवेश को सृजित करने पर अत्यधिक बल देना तथा अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचना है।

- लेखक भारत सरकार में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री हैं।

बदलता परिवेश

आजकल बेटा-बेटी, घूम रहे
यहाँ-वहाँ,
साइकिल छोड़ कर,
कार को चलाते हैं।

बदला है परिवेश, पाश्चात्य
समाया देश,
आज्ञाकारी कोई कहाँ,
संस्कृति भुलाते हैं।

मोबाइल लिए हाथ, रात-दिन
रखें साथ,
परिजन अपनों से,
दूर होते जाते हैं।

दादा-दादी कहें कथा, मानते
नही हैं प्रथा,
भूलते रिवाज सभी,
तर्क ही सुनाते हैं।

भौतिक सुखों की राह, धन की
बढ़ी है चाह,
प्रेम की मिठास सदा,
स्वार्थ में गँवाते हैं।

'सुषमा' पुकार यही, रखिए
सहेज सभी,
जड़ कटे वृक्ष नहीं,
फल-फूल पाते हैं।

अपनी संस्कृति धर्म, बचाना है
शुभ कर्म,
आओ मिल आज फिर,
मूल्यों को सजाते हैं।

ज्ञान के अनेक द्वार, करिए
ग्रहण सार,
विज्ञान ने दिए वही,
सुविधा कहाते हैं।

सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर

कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

अविजीत पाठक

एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकार—जो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जाती—उसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफ़ा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं। कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गईं परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीज़ें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ़जवाब है 'नहीं'। असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की ज़रूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ़ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर-ज़िम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है।

सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम-आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने-समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। अगर आप ध्यान से देखें तो, भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज़्यादा भाता है।

जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालय—जो कि गहन सीखने-सिखाने की जगह होते हैं—धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। वे सभी चीज़ें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थीं—जैसे कि भौतिकी और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासा; स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंद; कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहस; और खेल, संगीत व थिएटर का रोमांच—सब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार-बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग 'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता-पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां-बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है।

असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद्? यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ़इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं—जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों—का सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्र—यानी कोचिंग फ़ैक्टरियां—चोखा धंधा कर रहे हैं। दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं। वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुक़ाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता।

यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की ज़रूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा—जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है—वह मुक़ाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी-कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। इसलिए मान लेना चाहिए: एक निष्पक्ष मुक़ाबले का विचार महज़ भ्रम है, और इसलिए, मेरिटोक्रेसी (योग्यता-आधारित व्यवस्था) के तर्क वाली इस व्यवस्था को सही ठहराने का कोई कारण नहीं बनता। और आखिर में, इस पूरी बीमारी को तब तक ठीक से नहीं समझा जा सकता जब तक हम यह न देखें कि कैसे नव-उदारवाद की 'मशीनी' सोच ने शिक्षा की लोकतांत्रिक और आज़ाद बनाने वाली क्षमता को खत्म कर डाला है। जैसे-जैसे बाज़ारवाद का सिद्धांत हावी हो रहा है, शिक्षा सिर्फ़ ऐसी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण बनकर रह गई है जो टेक्नो-कॉर्पोरेट मशीन की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाती हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हम लिबरल आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज़ (मानविकी) विषयों की निरंतर गिरती अहमियत देख रहे हैं; हमने लगभग यह मान लिया है कि देश को अच्छे इतिहासकारों, मानव-विज्ञानियों, दार्शनिकों, कलाकारों, पत्रकारों या फ़िल्म निर्माताओं की ज़रूरत नहीं है; ऐसा लगता है कि देश को सिर्फ़ ऐसे आज्ञाकारी इंजीनियरों या टेक्नो-मैनेजरों की ज़रूरत है जो बिना किसी आलोचनात्मक सोच के अपने कॉर्पोरेट मालिकों की नौकरी कर सकें, या ऐसे लालची डॉक्टरों की जो प्राइवेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में नौकरी करें और स्वास्थ्य या इलाज को एक महंगी वस्तु की भांति बेचें।

कोई हैरानी नहीं कि महत्वाकांक्षी वर्ग मुनाफ़ा कमाने वाले इन पेशों (जिन्हें अक्सर 'प्लेसमेंट और सैलरी पैकेज' के तौर पर मापा जाता है) को जो एकतरफ़ा अहमियत देता है, उसने नीट और जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया है। चाहे पेपर लीक हो या न हो, पूरी प्रक्रिया ही बीमारू है। खैर, यह देखकर अच्छा लगा कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने सिर्फ़ आभासीय सनसनी बने रहने के बजाय अपनी भौतिक मौजूदगी भी पेश की। फिर भी, इस पार्टी की रीढ़ माने जाने वाले युवाओं को हमारी शिक्षा व्यवस्था के संकट की गंभीरता को समझने के लिए और गहराई में जाने की ज़रूरत है। उन्हें राजनीतिक और सामाजिक नज़रिए से सोचना होगा और यह समझना होगा कि 'जेन ज़ेड' सिर्फ़ एक जैसे मीडिया-प्रेमी/अंग्रेज़ी बोलने वाले लोगों का समूह न रहे, बल्कि इसमें मुंबई की झुग्गी-बस्ती का एक दलित लड़का या झारखंड के दूर-दराज़ गांव की एक आदिवासी लड़की की भागीदारी भी हो, जो नीट या जेईई जैसी परीक्षा की तैयारी के बारे में सोच भी नहीं सकते।

- लेखक समाजशास्त्री हैं।

जानलेवा बनती शिलाखंडों की बारहमासी बरसात

वीरेन्द्र कुमार

आजकल उत्तराखंड व हिमाचल में कई जगहों पर बरसात हो न हो, अचानक शिलाखण्डों का गिरना, पत्थरों के मलबों की बौछारों का होना असामान्य नहीं है। जब ये किसी वाहन, व्यक्ति या घर पर गिर जाते हैं और जानमाल की क्षति हो जाती है तो खबर हो जाती है। अन्यथा खाली सड़क पर या निर्जन क्षेत्रों में हों तो ये आम भूस्खलन भर मान लिये जाते हैं। कभी देखते ही देखते विशालकाय पर्वत खण्डों का ऐसा ढहना होता है कि लगता है कि जैसे पूरा का पूरा पहाड़ ही जमीन पर आ जायेगा। हर साल पहाड़ों से गिरते पत्थर लोगों को ही नहीं, पशुधन को भी हताहत कर देते हैं। इस साल भी उत्तराखंड में जून माह में ही ऐसी कई घटनाओं में मौतें भी हुई हैं व वाहन भी दबे हैं।

पहाड़ों में सड़कें जैसे-जैसे चौड़ी की जाने लगती हैं तो पहाड़ों को ज्यादा गहराई तक काटना होता है। पहाड़ों या शिलाओं को तोड़ने के लिए विस्फोटों का उपयोग भी आवश्यक हो जाता है। ऐसे में सड़कों पर आपदायें भी ज्यादा गहराने लगती हैं। जगह-जगह ऐसे लिखे बोर्ड लगे हैं कि सड़कों के इन हिस्सों में रुके रहना भी खतरनाक है। वाहन चालकों के लिए सलाह लिखी रहती है—रुकें, देखें, तब चलें। चिंताजनक यह है कि कुछ क्षेत्रों में भूवैज्ञानिकों व अभियंताओं के सुझाये उपायों के क्रियान्वयन के बाद सालों साल से भूस्खलन रुकता ही नहीं है। यह हर मौसम में लगातार होता रहता है। यहां मार्ग बन्द होते, खुलते, फिर बंद होते रहते हैं। इनके पास मलबा हटाने वाली मशीनों व कर्मियों को नियमित तैनाती भी कर दी जाती है। सड़कों के खुलने पर भी पहाड़ी पर अटके जमा टनों मलबे से पत्थर भी गिरते रहते हैं। पैदल यात्री व वाहन जोखिमों के साये में ऊपर खिसकते मलबे पर टकटकी लगाये भूस्खलन क्षेत्रों को पार करते हैं।

काम भर सड़क खोलने की जल्दी में मुख्यतः दो बातें होती हैं। ये दोनों बातें कभी भी पत्थरों की अचानक बौछारों के जोखिम भी बढ़ा देते हैं। एक है मशीनों से जैसे-तैसे पहाड़ों को गहराई तक काट वाहनों की आवाजाही के लिए राह देने के दबावों के बीच मलबा कटान व उत्खनन से अपेक्षाकृत स्थिर ढाल भी अस्थिर बन जाते हैं। पहाड़ों में भूस्खलनों को हटाने के लिए विस्फोट भी करना पड़ता है। लेकिन उन्हें स्थिर करने या रोक दीवार बनाने का आवश्यक काम उपेक्षित रह जाता है। जल्दी में यह हो भी नहीं सकता है। जिन दिनों भूस्खलन से कुछ राहत रहती है तब भी नहीं किया जाता है। इस कारण शुष्क दिनों में भी भूस्खलन होता रहता है। ऐसे में भारी बोल्डर्स भी जब-तब लुढ़कते रहते हैं। दूसरा है कि सड़क खोलने में ज्यादा देर न हो, इसलिये कुछ मलबा पहाड़ी में ही छूटा रहने दिया जाता है। यह भी किसी क्षेत्र को लगातार भूस्खलन जोन बना देता है। भूस्खलन का मलबा, जो पूरी तरह से नीचे न लाया गया या न आ पाया हो वह बरसातों में, मशीनी कम्पनों या भूकम्पकीय सक्रिय क्षेत्रों में छोटे भूकम्पों से भी पुनः ढहना शुरू कर सकता है। पहाड़ी जलागम वृक्षविहीन हो रहे हैं। इससे भी भूस्खलनों व भूक्षरण में कमी लाना मुश्किल हो जाता है। ढलानों पर पत्थर मलबा कई बार केवल झाड़ियों या पेड़ों के कारण टिके रहते हैं जिन्होंने उनके लुढ़कने के राहों पर अंकुश लगा दिया होता है। किन्तु जब जंगलों की आग इन झाड़ियों, पेड़ों को जला देती है तो इनके सहारे रुके शिलाओं, मलबे का एकाएक फिर से ढहना शुरू हो जाता है। गर्मियों के माह की वनाग्नियों के बाद की बरसातें मलबा ढहने को और तेज कर देती हैं। भूस्खलन आखिर गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वशीभूत मलबा ढहना ही तो है।

- लेखक पर्यावरण वैज्ञानिक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

बोरसी में बुलडोजर पीड़ितों के बीच पहुंचे वोरा, मांगी राहत

दुर्ग। बोरसीभाठा वार्ड क्रमांक 50 में आधी रात गरीब ग्रामीण परिवारों के आशियाने पर कार्रवाई करते हुए 4 मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। श्री वोरा ने कलेक्टर से दूरभाष पर चर्चा कर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। वोरा ने कलेक्टर से कहा कि पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाए ताकि बरसात के इस मौसम में उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर न होना पड़े। पूर्व महापौर आरएन वर्मा ने कहा कि - कांग्रेस पार्टी गरीब, मजदूर और कमजोर वर्ग के साथ खड़ी है तथा किसी भी परिवार के साथ अन्याय होने पर उसकी आवाज मजबूती से उठाई जाएगी।

महापौर बाघमार ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, अजीत वैध,रंजीता पाटिल तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। महापौर ने वार्ड 13 गजानन नगर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, मोहन नगर में नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड 13 के अन्य क्षेत्रों में सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। साथ ही वार्ड 12 में प्रस्तावित सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

गूगल बॉय रुद्र शर्मा की पहल, जरूरतमंदों के लिए कपड़ा बैंक

दुर्ग। अपनी प्रतिभा और असाधारण स्मरण शक्ति के लिए पहचाने जाने वाले छत्तीसगढ़ गूगल बॉय 6 वर्षीय रुद्र शर्मा ने समाजसेवा की दिशा में नई पहल की है। रुद्र ने शहर में कपड़ा बैंक स्थापित करने की अपील की है। उनका कहना है कि कई घरों में कपड़े, बैग, कॉपियां, किताबें और अन्य उपयोगी सामान ऐसे पड़े रहते हैं जो अब इस्तेमाल में नहीं आते। यदि इन्हें जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जाए तो बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिल सकती है। रुद्र ने दुर्ग के सभी वार्ड पार्षदों और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने वार्ड में ऐसे केंद्र शुरू करने में सहयोग करें।

ललित कला अकादमी कमेटी का चेयरमैन नियुक्त होने पर अंकुश को सांसद बघेल ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन के ललित कला अकादमी कमेटी का चेयरमेन बनने पर सांसद विजय बघेल ने बधाई दी है। उन्होंने अंकुश के मनोनयन को छत्तीसगढ़ी कलाजगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। वहीं अंकुश ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल तथा सांसद विजय बघेल के प्रति आभार प्रकट किया है।

इस दौरान प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डीएस विद्यार्थी तथा फोटोग्राफर प्रवीण कालमेघ विशेष रूप से मौजूद थे। सुप्रसिद्ध चित्रकार हरीसेन, रोहिणी पाटणकर, आचार्य महेशचंद्र शर्मा, ध्रुव तिवारी, अंतरराष्ट्रीय चित्रकार हुकुम लाल वर्मा, अनंत साहू, बीएल सोनी, मूर्तिकार मोहन बराल, ब्रजेश तिवारी, बी.आर. बोरकर, विजय शर्मा, तरूण धोटे, साहित्यकार मेनका वर्मा, मीना देवांगन, रूपा साहू, गुंजन शर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कृत

गुरुजी परसराम साहू तथा खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से प्राध्यापक कपिल वर्मा, संदीप किंडो, तृप्ति खरे ने अंकुश को बधाई दी है।

विजय बघेल ने अंकुश देवांगन के जिद और जूनून की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कलाकारों के कारण ही स्थानीय कला का वैश्विक विकास होता है। कलात्मक विकास की दृष्टि से देश को सात रीजनल जोन में बांटा गया था और आठवां आज तक सेंटर नहीं बना। छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकार लंबे समय से ललित कला अकादमी के रीजनल सेंटर की मांग कर रहे थे। सांसद विजय बघेल की अनुशंसा पर अंकुश देवांगन को 2019 में केंद्रिय संस्कृति मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सीधे केंद्र से मानद सदस्यता प्रदान की थी। वहीं ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में हुए जनरल काउंसिल के चुनाव में जीत दर्ज करके वे बोर्ड मेंबर बने थे। यह पहली बार हुआ था कि छत्तीसगढ़ का कोई कलाकार अकादमी का बोर्ड मेंबर बना।

भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप एवं मुख्य चिकित्सालय में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया योग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों एवं इकाइयों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों तथा चिकित्सा कर्मियों ने योगाभ्यास में सहभागिता कर स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं समग्र कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संयंत्र के सिंटरिंग प्लांट-3 के अंजनाद्री गार्डन में योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा पर्यवेक्षकों तथा पीआरडब्ल्यू कर्मियों सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग सत्र का संचालन जितेन्द्र शुक्ला (आरएसएम) एवं गजानंद पवार (पीएसडी) द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान संबंधी अभ्यास कराए तथा योग के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए

रखने के महत्व की जानकारी दी।

वहीं जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में योग दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए दैनिक जीवन में योग को अपनाने तथा तनाव प्रबंधन एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान ओपीडी परिसर में योगाभ्यास एवं विभिन्न योग क्रियाओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें लगभग 30 चिकित्सा कर्मियों ने सहभागिता की। योग सत्र का संचालन योग प्रशिक्षक सुश्री बबीता एवं सुश्री प्रीति द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं स्वास्थ्यवर्धक अभ्यासों का प्रशिक्षण प्रदान किया। योग गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहयोग हेतु मनीष कुमार एवं उनकी टीम को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के समन्वयन में शैला अब्राहम, अनुजा सक्सेना, रेजी वेणुगोपाल, रीता भटनागर, संध्या शर्मा एवं बीना जोसे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस्पात उद्योग जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य परिवेश में योग तनाव प्रबंधन, एकाग्रता वृद्धि, शारीरिक क्षमता एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही यह सजगता एवं अनुशासन को बढ़ावा देकर सुरक्षित कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है। एसपी-3 का कार्यक्रम महाप्रबंधक (ऑपरेशन) ए के बेडेकर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

बड़ी नाली की सफाई के लिए पानी का बहाव बदला, बजरी-मिट्टी निकाल रहे

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड 29 वृंदा नगर स्थित चैता मैदान के पास बड़ी नाली की सफाई की जा रही है। नाली में जमा बजरी एवं मलबे के कारण जल प्रवाह बाधित हो रहा थाए जिससे जल निकासी प्रभावित होने की संभावना बनी हुई थी।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार सफाई दल द्वारा मुख्य नाली को अस्थायी रूप से बांधकर पानी के बहाव को दूसरी दिशा में मोड़ा गया है, ताकि नाली के भीतर जमा बजरी, मिट्टी एवं अन्य अवरोधों को आसानी से हटाया जा सके। खुदाई कर जाम हिस्सों को साफ किया जा रहा है। नाली की नियमित सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जलभराव की समस्या कम होगी तथा वर्षा ऋतु के दौरान पानी की निकासी बेहतर ढंग से हो सकेगी। नागरिकों ने भी नाली सफाई कार्य की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से जमा मलबे के कारण पानी का प्रवाह प्रभावित हो रहा था।

सकारात्मक जीवनशैली को समर्पित रहा देश भर में निरंकारी मिशन का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन की विभिन्न शाखाओं में योग एवं आध्यात्मिक जागरूकता पर केंद्रित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इसी क्रम में ब्रांच दुर्ग भिलाई द्वारा योग दिवस संत निरंकारी सत्संग भवन दुर्ग में आयोजित किया गया।

ब्रांच संयोजक सतपाल सिंह सैनी ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि संत निरंकारी मिशन की ब्रांच भिलाई दुर्ग द्वारा संत निरंकारी सत्संग भवन दीपक नगर दुर्ग में भी योग दिवस उत्साहपूर्वक हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालु भक्तों, सेवादल स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित योग सत्र में प्रतिभागियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का

संकल्प लिया।

शंकर सचदेव ने बताया कि संयोजक सतपाल सिंह सैनी ने सतगुरु माता जी संदेश 'स्वस्थ मन सहज जीवन' का उल्लेख करते हुए बताया कि हमारा शरीर निरंकार प्रभु की देन है जिसे स्वस्थ रखना हमारा मूल कर्त्तव्य है इसलिए दीर्घआयु और सक्रिय सफल जीवन के लिए योग नितांत आवश्यक है।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थी, जिसने यह संदेश दिया कि वास्तविक स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक और आत्मिक संतुलन का समन्वित स्वरूप है। इसी भावना के अनुरूप संत निरंकारी मिशन ने योग को आत्मजागृति, अनुशासन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का सशक्त माध्यम बताते हुए जन-जागरूकता को प्रोत्साहित किया। सैकड़ो श्रद्धालुओं ने योग दिवस पर एक साथ योगा के आसन किये।

जेएलएन अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में कर्म शिरोमणि पुरस्कारों का वितरण, तकनीशियों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में 19 जून को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर की अध्यक्षता में कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। उन कर्मियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समर्पण एवं कार्यनिष्ठा का परिचय दिया।

इस अवसर पर ऑपरेटिव कम टेक्नीशियन संतोष कुमार, रेडियोलॉजी विभाग के हॉस्पिटल अटेंडेंट मोहम्मद अख्तर, नर्सिंग प्रशासन के स्टाफ नर्स शैलेन्द्र दिनेश ग्वाल तथा नर्सिंग प्रशासन के स्टाफ नर्स श्री मिथला कौशल को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त कर्मियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी (एचआक) जेएन ठाकुर तथा महाप्रबंधक शाहिद अहमद द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने पुरस्कार प्राप्त कर्मियों को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार कार्यकुशलता एवं समर्पण के साथ योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. शील कमल ठाकुर, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. धीरज कुमार गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य) श्रीमती जया राय, उप प्रबंधक (नर्सिंग प्रशासन) श्रीमती शैला अब्राहम, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन-चिकित्सा) श्रीमती शिबा थॉमस सहित चिकित्सा एवं मानव संसाधन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

परामर्शदात्री समिति की बैठक में 18 मांगों पर हुई चर्चा

निगम में ठेका प्रथा समाप्त करने, वेतन 7 तक देने की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में परामर्शदात्री समिति की बैठक निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ, भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर आयुक्त को मांग पत्र सौंपा। इस दौरान 18 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कर्मचारियों की ओर से निगम में ठेका प्रथा समाप्त करने, प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान सुनिश्चित करने, रिक्त पदों पर तत्काल पदोन्नति करने तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर, लाइनमेन, वाहन चालक, पंप अटेंडेंट, प्लंबर एवं तकनीकी सहायकों के लिए

पदोन्नति चैनल निर्धारण कर नवीन पद स्वीकृत करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद देयकों का तत्काल भुगतान, एलएसजीडी डिप्लोमाधारियों को वेतन वृद्धि का लाभ, भविष्य निधि एवं नवीन अंशदायी पेंशन की राशि प्रत्येक माह कर्मचारियों के खातों में जमा करने तथा कर्मचारियों से संबंधित न्यायालयीन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने की मांग भी रखी गई।

संघ के पदाधिकारियों ने दिव्यांग कर्मचारियों के भत्तों में भिन्नता दूर करने, कर्मचारियों के लिए वाहन स्टैंड की व्यवस्था करने, नवीन पद संरचना के संबंध में शासन को पुन: स्मरण पत्र भेजने, दैनिक वेतनभोगी एवं कार्यभारित कर्मचारियों के नियमितीकरण, अवकाश नगदीकरण भुगतान, प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों को मूल विभाग में वापस भेजने तथा कर्मचारियों को आवास आबंटन जैसी मांगों को भी प्रमुखता से उठाया। आयुक्त ने प्रस्तुत मांग पत्र का बिंदुवार अवलोकन कर संबंधित विषयों की समीक्षा की तथा आवश्यक मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। बैठक में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी, सदस्य एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोहका मंगल बाजार की सफाई व्यवस्था में नालियों की सफाई शेष

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कोहका स्थित मंगल बाजार क्षेत्र में लंबे समय से खराब सफाई व्यवस्था की शिकायत पर भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संवाद प्रमुख शारदा गुप्ता ने नगर निगम भिलाई की आयुक्त से शिकायत की। आयुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सफाई अमले को मौके पर भेजा। सुबह पूरे मंगल बाजार क्षेत्र की व्यापक साफ-सफाई कराई गई।

श्री गुप्ता ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए नगर निगम आयुक्त एवं सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कोहका हनुमान मंदिर के पीछे नालियों की स्थिति अभी भी खराब है। नालियों को बेहतर ढंग से बनाया जाए एवं सड़क को ऊंचा

किया जाए, ताकि गंदा पानी सीधे नाले में बहे और जलभराव न हो।

श्री गुप्ता ने मांग की है कि भविष्य में क्षेत्र की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि सफाई व्यवस्था स्थायी रूप से बनी रहे। टंकी के आसपास कॉलोनी में ही पेयजल की व्यवस्था बहुत खराब है लोग पानी के लिए परेशान है पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त की जाए।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को 12वीं तक मिलेगी मुफ्त आवासीय शिक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम विभाग द्वारा गरीब और मेहनती निर्माण श्रमिकों के बच्चों को देश के बेहतरीन निजी आवासीय विद्यालयों में उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के लिए एक बेहद महत्वाकांक्षी कदम उठाया गया है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पात्र छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के तहत कक्षा 6वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं तक की पूरी पढ़ाई, रहना-खाना और अन्य सभी शैक्षणिक सुविधाएं पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत धमतरी जिले को कुल 7 सीटों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इच्छुक श्रमिक अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए 3 जुलाई 2026 तक आवेदन विभागीय वेबसाइट shramevjayate.cg.gov.in में या मोबाइल ऐप श्रमेव जयते के माध्यम से कर सकते हैं इसके साथ ही ऑफलाइन श्रम संसाधन केंद्र कुरूद, धमतरी, मगरलोड, नगरी एवं जिला श्रम कार्यालय (कक्ष क्रमांक-68) में दस्तावेजों के साथ जमा किया जा सकता है।

सुगम व्यवस्था और पर्याप्त उपलब्धता से प्रसन्न किसान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। किसानों को समय पर कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था से खेती-किसानी को नई गति मिली है। खरीफसीजन की तैयारियों में जुटे किसान सहज और सरल प्रक्रिया के माध्यम से खाद एवं बीज प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनमें उत्साह और विश्वास बढ़ा है। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम विजयपुर निवासी कृषक बाबू सिंह भी ऐसे ही किसानों में शामिल हैं, जिन्हें समय पर खाद-बीज मिलने से खेती की तैयारियों में बड़ी सुविधा हुई है।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के लिए जिले के 20 श्रद्धालुओं का दल रवाना

कोण्डागांव। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा का शुभारंभ रायपुर रेलवे स्टेशन से हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सुबह श्रद्धालुओं के दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व रविवार रात्रि को कोण्डागांव से 20 श्रद्धालुओं के दल को सोमनाथ यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर दीपेश अरोरा, सोनामणि पोयाम, लक्ष्मी ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी मंगलमय एवं सफल यात्रा की कामना की। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सोमनाथ में कलश यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन तथा विशिष्ट जनों के साथ संवाद कार्यक्रम में सहभागी होंगे।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राष्ट्रीय स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। आस्था और गौरवशाली परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है।

साय सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों के खातों में भेजे 688 करोड़ से अधिक रुपए

हरा सोना ने वनांचल में बिखेरा खुशहाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों में खुशहाली की एक नई बयार चल रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील नेतृत्व और वन मंत्री केदार कश्यप के कड़े निर्देशों के चलते प्रदेश के लाखों ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे हैं। राज्य सरकार की विशेष पहल पर, इस वर्ष तेन्दूपत्ता संग्राहकों के सीधे बैंक खातों में डिजिटल माध्यम से करोड़ों रुपये की संग्रहण राशि ट्रांसफर की जा रही है। पारदर्शिता और सुशासन की मिसाल पेश करते हुए यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह बिचौलिया-मुक्त बनाई गई है।

छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ से मिले 19 जून के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य सरकार ने वनांचल के विकास को रफ्तार देते हुए अब तक प्रदेश के 10 लाख 57 हजार से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहकों को 688.58 करोड़ रुपये का सीधा भुगतान कर दिया है।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में अब तक कुल 13 लाख 85 हजार 895 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है। इसके बदले में संग्राहकों को कुल 762.24 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना तय है, जिसमें से रिकॉर्ड 688.58 करोड़ रुपये सीधे उनके बैंक खातों (ग्रुक्ष) में जमा कराए जा चुके हैं। बाकी बची हुई राशि भी बहुत तेजी से ग्रामीणों के खातों में भेजी जा रही है ताकि किसी भी परिवार को अपनी मेहनत के पैसे के लिए इंतजार न करना पड़े। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में तेन्दूपत्ता संग्रहण और भुगतान का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है, जो इस प्रकार हैं। सरगुजा वृत्त रू सरगुजा संग्रहण के मामले में यह क्षेत्र सबसे आगे है। यहाँ 2 लाख 66 हज़ार 933 संग्राहकों को 162.75 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। बिलासपुर वृत्त रू इस क्षेत्र के 2 लाख 43 हज़ार 996 संग्राहकों के खातों में 159.42 करोड़ रुपये की राशि सुरक्षित ट्रांसफर की गई है।

रायपुर वृत्तः यहाँ के 1 लाख 89, हजार 048 संग्राहकों को अब तक 106.00 करोड़ रुपये का लाभ मिल चुका है। कांकेर वृत्तरू इस वृत्त में 1 लाख 36 हजार 59 संग्राहकों को डिजिटल माध्यम से कुल 105.33 करोड़ रुपये दिए गए हैं। जगदलपुर (बस्तर) वृत्तः बस्तर के सुदूर और दुर्गम इलाकों में सक्रियता दिखाते हुए 93 हजार 519 संग्राहकों को 69.21 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद क्षेत्र रू इन क्षेत्रों में भी भुगतान का प्रतिशत बेहद शानदार है, जहाँ महासमुंद में 41.36 करोड़ और गरियाबंद में 40.91 करोड़ रुपये संग्राहकों को मिल चुके हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप के कड़े निर्देशों पर इस बार पूरी भुगतान प्रणाली को हाई-टेक और श्रुटिहीनस् बनाया गया है। स्मॉफ्टवेयर आधारित भुगतान प्रणालीश् लागू होने से अब ग्रामीणों को किसी दफ्तर या बिचौलिए के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों के खून-पसीने की पूरी कमाई बिना किसी कटौती के सीधे उनके पास पहुँच रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस पारदर्शी और त्वरित नीति से वनांचल के लोगों की क्रय शक्ति (खरीदने की क्षमता) में बड़ा उछाल आया है। इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, बल्कि स्थानीय बाजारों में भी रौनक लौट आई है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने सड़क डामरीकरण का कार्य प्रारंभ कराया

बालको के पाड़ीमार वार्ड में 25 लाख रूपए से सड़क डामरीकरण कार्य प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर निगम कोरबा के वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार वार्ड में सड़क डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत उपस्थित थी। उन्होंने डामरीकरण कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं शीघ्र कार्य को पूर्ण किये जाने के निर्देश मौके पर अधिकारियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अनवरत रूप से किये जा रहे विकास कार्यों की कड़ी में निगम के बालको जोन अंतर्गत वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्रमांक 01 में 25 लाख रूपए की लागत से राजेश ठाकुर के घर से बरगद चौक होते हुये इंदिरा मार्केट मुख्य मार्ग तक सड़क डामरीकरण का कार्य कराया जा रहा है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आशीर्वाद से विगत ढाई वर्ष के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मदों के अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिसमें अनेक कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, अनेक प्रगति पर हैं तथा शेष कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होने जा रहे हैं।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि निगम क्षेत्र में 15 करोड़ रूपये के सड़क डामरीकरण कार्य कराये जाने हैं, जिसमें अनेक कार्य पूर्ण भी कर लिये गये हैं, जैसे-जैसे डामर की उपलब्धता होती जायेगी, यह कार्य संपादित होंगे। उन्होने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास हो रहा है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य की विभिन्न योजनाओं से प्रदेश व देश के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री व उप मुख्यमंत्री अरूण साव तथा उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के आशीर्वाद से निगम क्षेत्र में व्यापक रूप से विकास कार्य हो रहे हैं तथा सभी 67 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब से हमारी सरकार बनी है, तभी से सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के साथ-साथ हमारे कोरबा में भी विकास को तेज गति व सही दिशा मिली है, बरसों से व्याप्त समस्याएं दूर हो रही हैं तथा लोगों को आवश्यक सुविधाएं सहज रूप से मुहैया हो रही है। उन्होंने कहा कि हमें कोरबा की जनता का जो भरपूर आशीर्वाद मिला, उन्होंने हम पर जो विश्वास जताया, वह विश्वास हमेशा बना रहेगा, विश्वास टूटने नहीं दिया जाएगा, इस हेतु हम कृत संकल्पित हैं।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, सत्येन्द्र दुबे, रजत खुंटे, मंगलराम बंदे, चेतन सिंह मैत्री, चंदादेवी रजाकर, तरूण राठौर के साथ ही दिलेन्द्र यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, मनोज सिंह, जय कुमार राठौर, प्रीति स्वर्णकार, रेणु प्रसाद, दीपक चन्द्रा, लखन चन्द्रा, हेमलता निर्मलकर, निगम के सहायक अभियंता मोतीलाल बरेठ, अंजूलता तिग्गा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, निगम के अन्य कर्मचारीगण एवं काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से सोलर दीदियों को मिलेगा रोजगार

सोलर दीदी के रूप में दिया गया विशेष प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इसके व्यापक विस्तार के उद्देश्य से जिला पंचायत सरगुजा के सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्युत सखी दीदियों को 'सोलर दीदी' के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपते हुए योजना की विस्तृत जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले की बिहान से जुड़ी महिलाएं अब सोलर दीदी के रूप में कार्य करते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस पहल से महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा प्रत्येक सफल सोलर इंस्टॉलेशन पर निर्धारित प्रोत्साहन राशि अर्जित करने का अवसर भी मिलेगा।

प्रशिक्षण के दौरान सोलर दीदियों को योजना की संपूर्ण प्रक्रिया, ऑनलाइन आवेदन, पात्रता मानदंड एवं हितग्राही चयन की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ऐसे परिवारों की पहचान करने के लिए प्रेरित किया गया जिनका मासिक बिजली बिल 2 हजार रुपये से अधिक है अथवा जिनकी मासिक बिजली खपत 300 यूनिट तक है, ताकि उन्हें योजना का लाभ दिलाया जा सके।

कार्यशाला में बताया गया कि यह पहल स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा लखपति दीदी अभियान को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सोलर दीदियां योजना के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ पात्र परिवारों को आवेदन प्रक्रिया से जोड़ने और सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करने का कार्य भी करेंगी।

कार्यक्रम में अपर परियोजना अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा मिथलेश पैकरा, विद्युत विभाग की सहायक अभियंता रश्मि तिर्की, बिहान योजना के जिला मिशन प्रबंधक नीरज नामदेव, जिला परियोजना प्रबंधक सुभाष मिश्रा तथा देवेन्द्र सिंह पटेल सहित संबंधित अधिकारी एवं बिहान से जुड़ी बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

बस्तर संभाग में शुद्ध पेयजल के लिए सघन क्लोरीनेशन अभियान, 28 हजार से अधिक हैंडपंप होंगे जीवाणुमुक्त

विशेष संधारण अभियान से लगभग तीन हजार हैंडपंपों की हुई मरम्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । बस्तर संभाग में शुद्ध पेयजल के लिए सघन क्लोरीनेशन अभियानग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जगदलपुर मंडल द्वारा बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों में सघन क्लोरीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। वर्षा ऋतु के पूर्व शुरू किए गए इस अभियान के तहत स्थापित हैंडपंपों और नल-जल योजनाओं का व्यापक स्तर पर क्लोरीनेशन किया जा रहा है।

अभियान के दौरान मैदानी अमले द्वारा संबंधित क्षेत्रों के सभी गांवों में स्थापित पेयजल स्रोतों को जीवाणुरहित बनाने की प्रक्रिया की जा रही है। इसमें स्थानीय समुदाय की सहभागिता भी सुनिश्चित की गई है। जल प्रबंधन से अधिकतर महिलाओं के जुड़े होने के कारण महिला जल वाहिनी की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री कैलाश मंडरिया ने बताया कि आगामी 30 जून तक चलने वाले इस अभियान के तहत बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले के साढ़े 28 हजार से अधिक हैंडपंपों तथा एक हजार से अधिक नल जल योजनाओं के क्लोरीनेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि लक्ष्य को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। साथ ही जल प्रदाय योजनाओं की जलापूर्ति टंकियों की सफाई भी सुनिश्चित की जा रही है।

अधीक्षण अभियंता मंडरिया ने बताया कि क्लोरीनेशन अभियान के साथ-साथ हैंडपंपों की संधारण स्थिति की भी निगरानी की जा रही है। अप्रैल माह से चलाए गए विशेष संधारण अभियान के तहत लगभग तीन हजार हैंडपंपों की मरम्मत की गई तथा 5 हजार 600 से अधिक राइजर पाइप बदले गए हैं। वर्तमान में भी लगभग साढ़े पांच हजार से अधिक राइजर पाइप और अन्य आवश्यक स्पेयर पार्ट्स जिलों को उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवश्यकता के अनुसार हैंडपंपों का सुधार कार्य जारी रखा जा सके।

राज्य सरकार का बड़ा फैसला: सहकारी बैंक अनियमितता पर कड़ा प्रहार, सैकड़ों किसानों को मिली राहत; खाद-बीज वितरण फिर शुरू

कृषि मंत्री रामविचार नेताम के विशेष प्रयास रंग लाए, ईडी जांच का किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अंबिकापुर की शंकरगढ़, कुसमी, रामानुजगंज तथा रामचंद्रपुर क्षेत्र की समितियों में वर्ष 2020-21 से 2023-24 के दौरान हुई वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रभावित किसानों को राहत प्रदान की है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के विशेष प्रयासों और किसानों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप अब प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को पुनः खाद एवं बीज मिलना शुरू हो गया है।

गौरतलब है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अंबिकापुर की शंकरगढ़, कुसमी, रामानुजगंज तथा रामचंद्रपुर क्षेत्र की समितियों में सामने आई वित्तीय अनियमितताओं और गबन के मामलों ने सैकड़ों किसानों को

प्रभावित किया था। अनियमितताओं के कारण किसानों को समय पर नकद ऋण, खाद और बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे, जिससे उनमें असंतोष का वातावरण बन गया था।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए बैंक प्रशासन और राज्य सरकार ने दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू की। कई कर्मचारियों को निलंबित किया गया तथा संबंधित मामलों की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार प्रभावित शाखाओं से जुड़े लगभग 497 किसानों की शिकायतों में 30 करोड़ 51 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितता सामने आई है।

सरकार ने किसानों को राहत देने के उद्देश्य से त्वरित कार्ययोजना बनाते हुए संबंधित समितियों को पात्र किसानों की सूची तैयार कर मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। सूची प्राप्त होने के बाद ऋण स्वीकृति और वितरण की प्रक्रिया तेज़ी से शुरू की जा रही है, ताकि किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक खाद, बीज और अन्य सुविधाएं समय पर मिल सकें।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों को सहूलियत प्रदान करना और उनकी कृषि गतिविधियों को निर्बाध बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मंत्री नेताम ने यह भी कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही है और उन्होंने ईडी की जांच का स्वागत किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि निष्पक्ष जांच से पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी तथा दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से प्रभावित क्षेत्रों के किसानों में भरोसा बढ़ा है। खाद-बीज वितरण व्यवस्था के पुनः शुरू होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है और आगामी कृषि सीजन की तैयारियों को नई गति मिली है।

36 युवा फेलोज़ बनेंगे सुशासन के नए वाहक, नीति निर्माण से प्रशासनिक सुधारों तक निभाएंगे अहम भूमिका

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के द्वितीय बैच का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के संयुक्त प्रयास से संचालित मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के अंतर्गत एमबीए (पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस) 2026-28 बैच के ओरिएंटेशन एवं उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन आईआईएम रायपुर में किया गया। इस पहल के माध्यम से राज्य के युवाओं को प्रशासनिक दक्षता, नीति-निर्माण और जनसेवा के क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप योजना के अंतर्गत राज्य के 19 जिलों से चयनित 36 प्रतिभाशाली युवाओं को एमबीए (पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस) की

वर्षीय डिग्री प्रदान की जाएगी। चयनित फेलोज़ में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 12 तथा अनुसूचित जाति वर्ग के 4 अभ्यर्थी शामिल हैं। यह कार्यक्रम राज्य के युवाओं को शासन व्यवस्था की जमीनी समझ प्रदान करते हुए उन्हें परिवर्तनकारी नेतृत्व के रूप में विकसित करेगा। फेलोशिप के दौरान प्रतिभागी 5 माह तक आईआईएम रायपुर में उच्च स्तरीय अकादमिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जबकि 19 माह तक राज्य शासन के विभिन्न विभागों और जिलों में कार्य करते हुए नीति-निर्माण, कार्यक्रम क्रियान्वयन, प्रशासनिक नवाचार तथा सुशासन के व्यावहारिक पहलुओं का अनुभव हासिल करेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्यमंत्री सचिवालय तथा सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन, नागरिकों तक सेवाओं की समयबद्ध पहुंच और परिणामोन्मुखी प्रशासन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से जनसेवा, नैतिक नेतृत्व, नवाचार और उत्तरदायित्व के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विशेष सचिव रजत बंसल एवं संयुक्त सचिव मयंक अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ डिजिटल गवर्नेंस, प्रशासनिक सुधार, नीति-निर्माण और डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया से जुड़े अनुभव साझा किए तथा उन्हें राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के लिए केवल छत्तीसगढ़ के मूल निवासी युवाओं का चयन कैट स्कोर तथा आईआईएम रायपुर द्वारा निर्धारित मानकीकृत और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के आधार पर किया जाता है। इस प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से चयनित 36 फेलोज़ राज्य के 19 जिलों का प्रतिनिधित्व करते हुए सुशासन के नए अध्याय को आगे बढ़ाएंगे।

छत्तीसगढ़ में जन-केंद्रित और नवाचार आधारित प्रशासनिक नेतृत्व तैयार करने की दिशा में मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल के रूप में उभर रही है।

निकिता दत्ता ने 'कबीर सिंह' को बताया करियर का टर्निंग प्वाइंट

कहा- इस फिल्म ने मुझे जरूरी बदलाव दिया

शाहिद कपूर की कबीर सिंह को रिलीज हुए सात साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने करियर पर इस फिल्म के लंबे समय तक रहने वाले असर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने इंडस्ट्री में उनके बारे में लोगों की सोच बदल दी और बॉलीवुड में लीड रोल पाने का रास्ता बनाया। निकिता ने 'कबीर सिंह' को अपने करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया। फिल्म ने उनके करियर पर कैसे असर डाला इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि कबीर सिंह मुझे तब मिली जब मैं फिल्मों में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थी।

कबीर सिंह के बाद कास्टिंग के मामले में मुझे अलग नजरिए से देखा जाने लगा। मैंने लीड रोल वाली अपनी पहली दो फिल्में साइन कीं। इस फिल्म ने मुझे वह बदलाव दिया जिसकी मुझे जरूरत थी।

फिल्म में शाहिद कपूर के साथ काम करने के अपने अनुभव को निकिता ने साझा किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म ऐसी थी, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया और जिस पर काफी चर्चा हुई। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान कभी भी फाइनल रिजल्ट के बारे में नहीं सोचा। मैंने फिल्म को दिन-दर-दिन के हिसाब से किया। बस हर सीन में जो कर सकती थी, वह करने की कोशिश की। यह वांगा सर का विजन था जिसकी वजह से ऐसा रिजल्ट मिला। शूटिंग के दौरान शाहिद का फोकस तारीफ के काबिल था।

निकिता जल्द ही नजदीकियां में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। यह प्राइम वीडियो इंडिया की आने वाली सीरीज है, जिसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। यह प्रोजेक्ट धर्माटिक के साथ उनका पहला कोलेबोरेशन है।

धर्माटिक करण जौहर का डिजिटल कंटेंट डिवीजन है। सीरीज से जुड़ने के बारे में बात करते हुए दत्ता ने कहा कि मुझे लगता है कि करण जौहर आज के समय में फैमिली-रोमकॉम के जीनियस हैं। जब से मैंने एक्टिंग शुरू की है, उनकी ड्रामेडी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। जब मुझे यह ऑफर मिला, तो इसे ठुकराने का कोई सवाल ही नहीं था।

आज के दौर के रिश्तों पर आधारित ड्रामा नजदीकियां में निकिता मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और ताहा शाह भी हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो इंडिया पर स्ट्रीम होगी। निकिता दत्ता को आखिरी बार ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में देखा गया था, जिसमें उन्होंने सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ काम किया था।

रश्मिका मंदाना ने 'कॉकटेल 2' का बीटीएस वीडियो किया शेयर

लिखा- 'प्यार के साथ विदाई'

'कॉकटेल 2' में दीया रेड्डी का किरदार निभाने वाली रश्मिका मंदाना ने आज अपनी फिल्म 'कॉकटेल 2' का एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। इसके साथ में रश्मिका ने एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल 2' में रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन की रोमांटिक केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिल रही है। रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इसमें रश्मिका के साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन भी मुख्य भूमिका में हैं।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'कॉकटेल 2' का एक खास बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में रश्मिका अपने किरदार दीया की तैयारी करती नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने एक बेहद भावुक मैसेज भी लिखा। रश्मिका ने लिखा, 'हम हमेशा से सच्चे प्यार पर भरोसा करते आए हैं और हमने इसे जीकर भी दिखाया है। ढेर सारे प्यार के साथ विदा। आपकी, दीया रेड्डी और रश्मिका।'

लोगों को पसंद आया रश्मिका का अंदाज

रश्मिका की इस पोस्ट पर फिल्म की स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अडाजानिया ने कमेंट किया, 'दीया रेड्डी का लुक शानदार था और रश्मिका ने मेरा दिल जीत लिया।' वहीं रश्मिका के फैंस भी उनके इस किरदार पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

फिल्म 'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई 'कॉकटेल' का सीक्वल है। 'कॉकटेल' में दीपिका पादुकोण, सैफअली खान और डायना पेंटी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं 'कॉकटेल 2' का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। इसमें शाहिद कपूर 'कुणाल' के रोल में, रश्मिका मंदाना 'दीया' के रोल में और कृति सेनन 'एली' के रोल में हैं। फिल्म 'कॉकटेल 2' एक ऐसे जोड़े की कहानी है, जो लंबे समय से साथ हैं, लेकिन उनकी जिंदगी में किसी तीसरे व्यक्ति के आने से रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। इस फिल्म को दिनेश विजान, लव रंजन और अंकुर गर्ग ने मिलकर बनाया है।

मीरा राजपूत ने भी की तारीफ

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत को भी 'कॉकटेल 2' काफी पसंद आई। उन्होंने फिल्म की तारीफकरते हुए लिखा, 'काफी समय बाद सिनेमा में इतना अच्छा वक्त बीता। फिल्म में हंसी, भावनाएं, खुशी और मस्ती के साथ-साथ सब कुछ बहुत असली लगा।'

'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी के बीच सामंथा से मिले चिरंजीवी, एक्ट्रेस को दिए तोहफे

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। अभिनेत्री इस कामयाबी से खुश हैं। इस बीच हाल ही में साउथ के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने सामंथा और राज निदिमोरू से मुलाकात की है। चिरंजीवी ने कपल और फिल्म की टीम को बधाई दी।

चिरंजीवी और उनकी पत्नी सुरेखा ने सामंथा को एक साड़ी और कई दूसरे तोहफे दिए। उन्होंने सामंथा, राज निदिमोरू और टीम के साथ बातचीत की। बाद में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा 'एक मेगा बंगारम पल। मेगास्टार चिरंजीवी गारू और सुरेखा गारू ने मां इंटी बंगारम की पूरी टीम की इस सफलता के लिए सराहना की।'

हाल ही में 'मा इंटी बंगारम' की डायरेक्टर नंदिनी रेड्डी ने हाल ही में सामंथा की प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अटकलों की पुष्टि की। सिनेमा एक्सप्रेस से बातचीत में नंदिनी ने कहा, 'उनकी प्रेग्नेंसी की खबर एक खूबसूरत समय पर आई है, क्योंकि हमारी फिल्म 'मा इंटी बंगारम' सफल रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि सक्सेस मीट में सामंथा का शामिल होना एक सोचा-समझा फैसला था, जिससे ऑनलाइन अटकलें और बढ़ गईं।

पांच साल बाद फिर डराने आ रहे इमरान हाशमी, फिल्म 'रूह' की हुई घोषणा

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

जानिए क्या है फिल्म के बारे में इमरान हाशमी की राय

बॉलीवुड हंगामा ने इमरान हाशमी के हवाले से लिखा है ' 'रूह' एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे तुरंत अपनी ओर खींचा, क्योंकि इसमें

नए जमाने की हॉरर, भावना और संगीत का बहुत जबरदस्त मेल है। दर्शक हमेशा से मुझे इस तरह की फिल्मों से जोड़कर देखते आए हैं। मयंक जिस दुनिया को बना रहे हैं, वह बहुत दमदार, इमोशनल और सिनेमैटिक लगती है। 'रूह' के बारे में इसी बात ने मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित किया है। मैं सच में चाहता हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें।'

रोजाना एक्सरसाइज करने से जुड़े इन भ्रमों को सही मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई

शारीरिक सक्रियता हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। फिर चाहे यह किसी भी रूप में हो, जैसे रोजाना 30 मिनट टहलना, दौड़ना, साइकिल चलाना या तैरना। इससे न केवल हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, कई लोग रोजाना एक्सरसाइज करने को लेकर कुछ भ्रम फैलाते हैं। आइए आज हम आपको रोजाना एक्सरसाइज करने से जुड़े भ्रम और उनकी सच्चाई बताते हैं।

भ्रम- रोजाना एक्सरसाइज करने से शरीर में होता है दर्द

कई लोगों का मानना है कि रोजाना एक्सरसाइज करने से शरीर में दर्द होता ही है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। अगर आप सही तरीके से एक्सरसाइज कर रहे हैं और आपकी तकनीक अच्छी है तो आपको दर्द नहीं होगा। हां, अगर आपको किसी भी तरह की असुविधा या दर्द महसूस हो तो इसका मतलब है कि आप कुछ गलत कर रहे हैं। इसलिए, हमेशा सही तरीके का इस्तेमाल करें और अपने शरीर की सुनें।

भ्रम- ज्यादा पसीना बहाने का मतलब ज्यादा कैलोरी बर्न होना

यह भी एक सामान्य भ्रम है कि ज्यादा पसीना बहाने का मतलब ज्यादा कैलोरी बर्न होना होता है। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि जितना ज्यादा पसीना, उतना ज्यादा जली कैलोरी। दरअसल, पसीना हमारे शरीर का तापमान नियंत्रित करने का एक तरीका है, न कि यह संकेतक है कि आपने कितनी कैलोरी बर्न की है। इसलिए, पसीना की मात्रा पर ध्यान देने के बजाय अपनी शारीरिक गतिविधियों और आहार पर ध्यान दें, ताकि आप स्वस्थ रह सकें।

भ्रम- एक्सरसाइज करने से पहले स्ट्रेचिंग है जरूरी

शायद आप भी इस बात से वाकिफ होंगे कि एक्सरसाइज करने से पहले स्ट्रेचिंग करना जरूरी है, लेकिन यह भी एक भ्रम है। दरअसल, एक्सरसाइज से पहले हल्का वार्मअप करना चाहिए और स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के बाद करनी चाहिए। इसके अलावा अगर आप स्ट्रेचिंग को ज्यादा देर तक करते हैं तो इससे मांसपेशियों में खिंचाव आ सकता है। एक्सरसाइज से पहले हल्का वार्मअप करें और बाद में स्ट्रेचिंग करें।

भ्रम- रोजाना एक्सरसाइज करने से मांसपेशियों में होता है दर्द

रोजाना एक्सरसाइज करने से मांसपेशियों में दर्द होने लगता है, ऐसा मानना भी एक भ्रम है। अगर आपको एक्सरसाइज करने के बाद मांसपेशियों में दर्द होता है तो इसका मतलब है कि आप बहुत ज्यादा मेहनत कर रहे हैं या फिर आपकी तकनीक गलत हो सकती है। एक्सरसाइज के दौरान आपको हल्का तनाव महसूस हो सकता है, लेकिन दर्द नहीं होना चाहिए। दर्द हो तो थोड़ी देर आराम करें अपनी तकनीक पर ध्यान दें।

भ्रम- एक्सरसाइज करते समय पेट होना चाहिए खाली

यह भी एक भ्रम है कि एक्सरसाइज करते समय पेट खाली होना चाहिए, क्योंकि इससे ज्यादा कैलोरी बर्न होती है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। अगर आप खाली पेट एक्सरसाइज करते हैं तो इससे कमजोरी आ सकती है और शरीर में ऊर्जा की कमी हो सकती है। बेहतर होगा कि आप हल्का नाश्ता करके एक्सरसाइज करें, ताकि आपको ऊर्जा मिल सके और आप बेहतर प्रदर्शन कर सकें। प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन आपको ज्यादा ताकत प्रदान करेगा।

22 साल बाद फिर गंगाधर बने 'शक्तिमान', लोकप्रिय किरदार से फिर दर्शकों के बीच लौटने को तैयार मुकेश खन्ना?

साल 1997 में एक पेड़ उगा था 'शक्तिमान' नाम का, जिसकी छांव में लोगों ने बहुत आनंद लिया। बहुत प्यार दिया। आज इसी पेड़ में एक नई डाल निकली है। जिसका नाम है 'ज्ञानी कौन गंगू'। इसी में 'शक्तिमान' के गंगाधर अब नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। इस क्लासिक रोल को थोड़ा मॉडिफाई किया गया है और वह अब गंगू है। इसी गंगू से मुकेश खन्ना ने दर्शकों की मुलाकात कराई है।

अभिनेता मुकेश खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। यह नए शो के शूट का है। इसमें सेट की पूरी झलक है। ब्लैक एंड व्हाइट वीडियो में 'ज्ञानी कौन गंगू' के बीटीएस पल शामिल है। वीडियो के साथ मुकेश खन्ना ने कैप्शन लिखा है, 'मिलिए गंगू से- जो बेहिसाब ज्ञानी है! गंगाधर की वापसी'।

सेट पर आधुनिक तकनीक के साथ शूटिंग चल रही है। हेलीपैड फिल्म सिटी में शूट चल रहा है। 'लाइट कैमरा और एक्शन' कि कमांड दी जा रही है। 'गंगू कौन ज्ञानी' दरअसल, एक शॉर्ट फिल्म है। इसका निर्देशन समित बंसल कर रहे हैं। वहीं, मकेश खन्ना मुख्य कर्ताधर्ता हैं।

'पेड़ पर डाली आई है'

राइटर बृजमोहन पांडे हैं, जो कहते दिख रहे हैं, '1997 में एक पेड़ उगा था 'शक्तिमान' नाम का, इसी पेड़ में एक नई डाल निकली है। जिसका नाम है 'ज्ञानी कौन गंगू'। बता दें कि सीरियल 'शक्तिमान' में मुकेश खन्ना ने मुख्य रूप से शक्तिमान और उनके सामान्य अवतार पंडित गंगाधर विद्याधर मायाधर ओंकारनाथ शास्त्री का किरदार निभाया था। गंगाधर एक मजाकिया और सीधे-सादे फोटोग्राफर के रूप में नजर आया। 'ज्ञानी कौन गंगू' को लेकर दर्शक उत्साहित नजर आ रहे हैं।

खास खबर

विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 1 करोड़ 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर। कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा कबीरधाम जिले के अलग-अलग ग्रामों में निर्माण कार्यों के लिए 1 करोड़ 40 लाख 63400 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए जनपद पंचायत पंडरिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कवर्धा और बोड़ला को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर मंच निर्माण कार्य, पी एम श्री सेजेस बोडला में नगर पंचायत बोडला राशि 6 लाख रूपए, चबूतरा निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 10 में खैरमाता बैगाटोला, बोडला राशि 1.3 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 10 में राशि 4.88 लाख रूपए, आहाता निर्माण कार्य, वार्ड नंबर 20 नगर पालिका कवर्धा राशि 3.5 लाख रूपए, सामुदायिक भवन का गोदाम निर्माण कार्य, (सेवा सहकारी समिति मर्या. कवर्धा पंजी. क्र. 26 में) कवर्धा राशि 10 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 01 में राजनांदगांव रोड कवर्धा में राशि 5.2 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 में कवर्धा राशि 10 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

70 प्रतिशत दिव्यांग बालती बाई को मिला सुरक्षित आश्रय, घरौंदा पुनर्वास केन्द्र में हुआ प्रवेश

रायपुर। 70 प्रतिशत दिव्यांग बालती बाई को मिला सुरक्षित आश्रयजशपुर विकासखंड के ग्राम कोमडो निवासी 24 वर्षीय दिव्यांग बालती बाई को जिला प्रशासन की तत्पर पहल से सुरक्षित आश्रय और बेहतर देखभाल की सुविधा उपलब्ध हो गई है। 70 प्रतिशत सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बालती बाई के पुनर्वास के लिए उनके पिता सुखराम उरांव द्वारा कलेक्टर रोहित व्यास के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था। कलेक्टर व्यास ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे विशेष प्राथमिकता में लेते हुए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बालती बाई की माता का पूर्व में निधन हो चुका है तथा उनकी बहन का विवाह हो चुका है। वर्तमान में वह अपने वृद्ध पिता के साथ रहती थीं। पिता के मजदूरी के लिए बाहर जाने पर उन्हें घर में अकेले और असुरक्षित परिस्थितियों में रहना पड़ता था।

पीएटी-पीवीपीटी प्रवेश परीक्षा 28 जून को, 411 परीक्षार्थी होंगे शामिल

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल, नवा रायपुर द्वारा पीएटी-पीवीपीटी प्रवेश परीक्षा का आयोजन 28 जून 2026 को किया जाएगा। परीक्षा पूर्वाह्न 10.00 बजे से 01.15 बजे तक आयोजित होगी। जिले में 02 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें शास.रा.भ.रा.एन.ई.एस.स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुर एवं शास. विजय भूषण सिंहदेव कन्या महाविद्यालय जशपुर शामिल हैं। दोनों केन्द्रों में कुल 411 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु श्री समीर बड़ा डिप्टी कलेक्टर, जशपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व परीक्षा केन्द्र का अवलोकन कर लें, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 02 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे।

प्रदेश का सबसे मॉडल शहर बनेगा रायगढ़ : ओपी चौधरी

शहर में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समय-सीमा पर दिया विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने मरीन ड्राइव, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी), एफ्सीआई ऑक्सीजोन, मिट्ठुमुड़ा तालाब, किसान राइस मिल ऑक्सीजोन तथा कयाघाट पुल सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थल पर पहुंचकर अवलोकन किया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ को प्रदेश के सबसे आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधासंपन्न शहर के रूप में विकसित करना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क, परिवहन, पर्यावरण, जल संरक्षण और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी ये परियोजनाएं पूर्ण होने के बाद रायगढ़ विकास का नया मॉडल बनकर उभरेगा।

प्रगति नगर स्थित निर्माणाधीन मरीन ड्राइव का निरीक्षण करते हुए वित्त मंत्री ने कार्यों की

गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य बॉक्स कल्वर्ट एवं डायवर्सन निर्माण कार्य समय पर पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया और संबंधित एजेंसियों की सराहना की।उन्होंने कहा कि मरीन ड्राइव केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि रायगढ़ की नई पहचान बनने जा रही है। इससे शहर की सुंदरता बढ़ेगी, यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा नागरिकों को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल भी मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को आगामी नवंबर तक परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रायगढ़ को मिलेगा अत्याधुनिक बस टर्मिनल

वित्त मंत्री ने निर्माणाधीन अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी) का निरीक्षण करते हुए कहा कि यह परियोजना आगामी चार दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड में एक साथ 30 बसों के संचालन की सुविधा होगी, जबकि अतिरिक्त 40 बसों के लिए भी पर्याप्त पार्किंग एवं स्थान आरक्षित रहेगा। यात्रियों के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय विकसित किया जा रहा है, जहां लगभग 550 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। वहीं बसों के रखरखाव और मरम्मत के लिए पृथक वर्कशॉप क्षेत्र भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बस टर्मिनल रायगढ़ को प्रदेश और देश के प्रमुख शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा तथा यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी नई मजबूती

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने एफ्सीआई परिसर में विकसित किए जा रहे ऑक्सीजोन प्रोजेक्ट का भी अवलोकन किया। लगभग सात एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहे इस हरित परिसर को उन्होंने रायगढ़ के पर्यावरणीय भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों की सुविधा के लिए ऑक्सीजोन में दो प्रवेश द्वार विकसित करने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के दौर में ऐसे हरित क्षेत्रों का विकास समय की आवश्यकता है। यह परियोजना शहरवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान प्राथमिकता दी जा रही है। यही कारण है कि शहर में आधुनिक आधारभूत संरचना के साथ-साथ हरित परियोजनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माण और जन सुविधाएं विकसित करने के कार्यों को गति देने सक्रियता से करें मॉनिटरिंग - शंगीता आर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. ने नगरीय निकायों के कार्यों की मॉनिटरिंग व समन्वय के लिए जिलेवार नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर उनके कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में सभी नोडल अधिकारियों को नगर निगमों, नगर पालिकाओं तथा नगर पंचायतों में निर्माण और जन सुविधाएं विकसित करने के कार्यों को गति देने सक्रियता एवं गंभीरता से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निकायों की समस्याओं का हल निकालकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने को कहा। उन्होंने नगरीय निकायों में मैदानी निरीक्षण के दौरान वहां की जरूरतों और व्यवस्थाओं का आकलन भी करने को

कहा। नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव शंगीता आर. ने बैठक में नोडल अधिकारियों से उनके नगरीय निकायों के भ्रमण और बैठकों का फीडबैक लेकर निकायों में कार्यों की वस्तुस्थिति जानी। उन्होंने कहा कि निकायों में कार्यों के निरीक्षण के लिए पूरी तैयारी से जाएं। विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के लिए पिछले दो वित्तीय वर्षों में कितनी राशि जारी की गई है, इसकी भी जानकारी रखें। उन्होंने निकायों में प्रगतिरत निर्माण कार्यों के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की भी हर महीने समीक्षा करने के निर्देश दिए।

श्रीमती शंगीता आर. ने नोडल अधिकारियों को आबंटित जिले के आय-व्यय की स्थिति पर भी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो निकाय खुद की आय से अपनी सभी व्यवस्थाएं कर सकते हैं, उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने निकायों में लक्ष्य निर्धारित कर वार्डवार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) को सेचुरेट करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक आर. एक्का, उप सचिव भागवत जायसवाल, राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता राजेश शर्मा भी बैठक में मौजूद थे। शहरी विकास योजनाओं की निगरानी को और सशक्त करने नोडल अधिकारी कर रहे स्थल निरीक्षण, अब तक 103 निकायों का निरीक्षण कर चुके नोडल अधिकारी

नगरीय प्रशासन विभाग ने विकास कार्यों और योजनाओं की जमीनी स्तर पर निगरानी को सुदृढ़ करने सभी राज्य स्तरीय नोडल अधिकारियों को अपने-अपने आबंटित जिलों के नगरीय निकायों के नियमित भ्रमण के निर्देश दिए हैं। विगत 6 जून को एक साथ सभी नोडल अधिकारियों ने अपने जिलों में पहुंचकर योजनाओं की प्रगति, चुनौतियों और क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आकलन किया। विभाग की इस पहल का उद्देश्य योजनाओं की प्रभावी निगरानी, समस्याओं का त्वरित समाधान तथा मैदानी स्तर पर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

नैनो उर्वरकों से खेती बन रही अधिक लाभकारी, मिट्टी संरक्षण को भी मिल रही मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और नवाचार आधारित उर्वरकों के उपयोग से किसानों को उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी जैसे उन्नत उर्वरक प्रदेश के किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके उपयोग से फसलों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त हो रहे हैं, जिससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ खेती की स्थिरता को भी बल मिल रहा है।

सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम सरई टिकरा निवासी प्रगतिशील किसान महेंद्र प्रसाद राजवाड़े ने नैनो उर्वरकों के उपयोग से प्राप्त अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पिछले कुछ वर्षों से वे धान, गेहूं तथा विभिन्न सब्जी फसलों में नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार इस तकनीक से फसलों की वृद्धि बेहतर हुई है तथा खेती की लागत में भी कमी आई है। श्री राजवाड़े ने बताया कि नैनो उर्वरकों का उपयोग सरल और सुविधाजनक है। कम मात्रा में उपयोग होने के कारण इसके परिवहन और भंडारण में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती। छिड़काव के माध्यम से पोषक तत्व सीधे पौधों तक पहुंचते हैं, जिससे फसलों को आवश्यक पोषण समय पर प्राप्त होता है और उनकी वृद्धि अधिक प्रभावी होती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार नैनो उर्वरकों की उपयोग दक्षता पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में अधिक होती है। पर्णीय छिड़काव के माध्यम से पौधे पोषक तत्वों को सीधे ग्रहण कर लेते हैं।

बस्तर के शिक्षा मॉडल ने रचा इतिहासः छात्रवृत्ति परीक्षा में 177 बच्चों का चयन, राज्य में तीसरा स्थान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले ने राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति (एनएमएमएसएस) परीक्षा 2025-26 में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में तैयार की गई सुनियोजित रणनीति और शिक्षकों की सतत मेहनत के परिणामस्वरूप जिले के 177 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इस उपलब्धि के साथ बस्तर ने पूरे प्रदेश में

तीसरा स्थान हासिल किया है।

यह सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि पिछले वर्ष जिले से केवल दो विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जबकि इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 177 तक पहुंच गई है। एक वर्ष में लगभग 90 गुना वृद्धि ने बस्तर के शिक्षा मॉडल को प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना दिया है। परीक्षा में चयनित सभी विद्यार्थियों को अब केंद्र सरकार की ओर से कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक छात्र को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी, जिससे उनकी आगे की शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

ब्लॉक स्तर पर भी उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला। बकावंड विकासखंड ने अकेले 130 विद्यार्थियों के चयन के साथ न केवल जिले में बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वहीं लोहंडीगुड़ा विकासखंड से 37 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर जिले के प्रदर्शन को और सशक्त बनाया। इस उपलब्धि के पीछे प्रशासन की सुविचारित तैयारी और शिक्षकों की प्रतिबद्धता रही। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देश पर विद्यार्थियों को परीक्षा के वास्तविक वातावरण से परिचित कराने के लिए ओएमआर शीट आधारित पांच मॉक टेस्ट आयोजित किए गए। सभी परीक्षाएं मुख्य परीक्षा के समान 90 मिनट की समय-सीमा में संचालित की गईं। अंतिम मॉक टेस्ट 22 अप्रैल को आयोजित किया गया था। जिले के लगभग सभी हाई स्कूलों को ऑनलाइन परीक्षा केंद्र के रूप में विकसित कर इस अभियान को व्यापक स्वरूप दिया गया। तैयारी को और प्रभावी बनाने के लिए विद्यार्थियों को पिछले पांच वर्षों के प्रश्नपत्रों का नियमित अभ्यास कराया गया। शिक्षकों को निर्देश दिए गए थे कि वे केवल उत्तर याद कराने के बजाय विद्यार्थियों को अवधारणात्मक समझ विकसित करने पर जोर दें। प्रतिदिन 40 प्रश्नों के अभ्यास के माध्यम से बच्चों की तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को मजबूत किया गया। इसके अतिरिक्त बकावंड, तोकापाल और लोहंडीगुड़ा विकासखंडों में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को एकत्रित कर विशेष समूह प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ की पूजा बरेठ ने जीती मारुति स्विफ्ट कार

आवास मेला-2025 के विशेष लक्की ड्रॉ का सफल आयोजन, विजेताओं की हुई घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा राज्य स्तरीय आवास मेला-2025 तथा 31 दिसम्बर 2025 तक मंडल की विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक योजनाओं में पंजीयन कर भवन आबंटन प्राप्त करने वाले पात्र हितग्राहियों के लिए विशेष लक्की ड्रॉ का आयोजन सोमवार को मंडल मुख्यालय, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हितग्राही एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

लक्की ड्रॉ कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव तथा आयुक्त अवनीश शरण की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पूरी प्रक्रिया लॉटरी पद्धति से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से आयोजित की गई, जिसका अवलोकन उपस्थित हितग्राहियों एवं अधिकारियों द्वारा किया गया।

विशेष लक्की ड्रॉ के अंतर्गत मारुति स्विफ्ट कार, होंडा शाइन मोटरसाइकिल, होंडा एक्टिवा स्कूटी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, एलईडी टेलीविजन सहित अनेक आकर्षक उपहारों के लिए विजेताओं का चयन किया गया।

ड्रॉ में बम्पर पुरस्कार मारुति स्विफ्ट कार सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की पूजा बरेठ ने जीती। उन्होंने अटल विहार योजना, दानसरा में एल.आई.जी. भवन क्रमांक-32 बुक कराया था। होंडा शाइन मोटरसाइकिल कोरबा जिले के रवि प्रकाश राठौर को प्राप्त हुई, जिन्होंने गोकुल नगर, खरमोरा स्थित कमर्शियल-कम-रेजिडेंशियल फ्लैट की दुकान क्रमांक-06 खरीदी है।

होंडा एक्टिवा स्कूटी के विजेता कृष्ण कुमार रहे, जिन्होंने गोकुल नगर, खरमोरा, कोरबा में एम.आई.जी. फ्लैट क्रमांक एफ-302 बुक कराया है। रेफ्रिजरेटर की विजेता श्रीमती सुषमा गुप्ता तथा अरुण कुमार प्रधान रहे। वहीं वाशिंग मशीन के विजेताओं में ओम सोनी और रेणुका घृतलहरे शामिल हैं। एलईडी टेलीविजन के विजेता श्री गजेन्द्र कुमार यादव एवं संजीत कुमार साह रहे। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय आवास मेला-2025 के दौरान भी प्रतिदिन कूपन आधारित लक्की ड्रॉ आयोजित कर प्रतिभागियों को एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, मिक्सर ग्राइंडर एवं स्टीम आयरन सहित अनेक आकर्षक उपहार वितरित किए गए थे।

विशेष लक्की ड्रॉ में चयनित विजेताओं को उपहार वितरण समारोह के दौरान सम्मानपूर्वक पुरस्कृत किया जाएगा। यह समारोह 25 जून 2026 को सर्किट हाउस, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित होगा।

मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल राज्य के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने और हितग्राही-केंद्रित योजनाओं के माध्यम से अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आयुक्त अवनीश शरण ने सभी हितग्राहियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा भविष्य में भी मंडल की योजनाओं में सक्रिय सहभागिता बनाए रखने की अपील की।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण में अपील की सुविधा

जशपुरनगर। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय जशपुर द्वारा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मामलों में आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है।जानकारी के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को जन्म-मृत्यु पंजीकरण प्रकरण में संबंधित रजिस्ट्रार द्वारा पारित आदेश से असंतोष है, तो वह नियमानुसार जिला रजिस्ट्रार के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है। इसी तरह जिला रजिस्ट्रार के आदेश से असंतुष्ट होने पर व्यक्ति को मुख्य रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ तथा संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, रायपुर के समक्ष अपील करने का अधिकार होगा। कार्यालय ने बताया कि अपील प्रस्तुत करते समय संबंधित आदेश की प्रति, आवश्यक अभिलेख तथा अपना पक्ष स्पष्ट रूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

एक ही रात तीन जगह चोरी: व्यापारियों में दहशत, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

कोरबा। शहर में सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब दर्री रोड स्थित दो दुकानों में चोरी की वारदात सामने आई। कोरबा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत दर्री रोड पर संचालित विशाल ट्रेडर्स और संतोष ट्रेडर्स को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दोनों दुकानों में शटर तोड़कर चोरी की गई है। जानकारी के अनुसार, दर्री रोड व्यापारी संघ के अध्यक्ष गजानंद अग्रवाल ने सुबह विशाल ट्रेडर्स का शटर क्षतिग्रस्त देखा और इसकी सूचना संचालक को दी। कुछ ही देर में पास स्थित संतोष ट्रेडर्स में भी चोरी का खुलासा हुआ। इसके बाद व्यापारियों में हड़कंप मच गया। विशाल ट्रेडर्स में चोरों ने गोदाम का शटर करीब डेढ़ फीट तक तोड़कर अंदर प्रवेश किया, लेकिन मुख्य दुकान तक नहीं पहुंच सके, जिससे वहां से कोई खास सामान चोरी नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि चोर रात करीब 1.30 बजे यहां घुसे थे। एक चोर का चेहरा खुला था जबकि दूसरे ने गमछे से चेहरा ढका हुआ था। इसके बाद चोर संतोष ट्रेडर्स पहुंचे, जहां से उन्होंने गल्ले में रखी करीब 10 से 15 हजार रुपए नगदी पार कर दी। इस दौरान दोनों चोरों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। दोनों वारदातें दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई हैं। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी मोतीलाल पटेल मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। डॉग स्क्वाड की मदद से भी सुराग जुटाए जा रहे हैं।

खेत में कहर बनकर गिरी बिजली: पेड़ के नीचे खड़ी 10 गायों की दर्दनाक मौत

बलौदाबाजार। जिले के कसडोल विकासखंड के नागेड़ी ग्राम पंचायत में सोमवार दोपहर आकाशीय बिजली ने बड़ा नुकसान पहुंचाया। तेज बारिश और गरज-चमक के दौरान खेत में चर रही 10 गायें बिजली की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बारिश शुरू होने पर गायें बचने के लिए खेत में मौजूद एक पेड़ के नीचे एकत्र हो गई थीं। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली पेड़ के पास गिरी और सभी गायें उसकी चपेट में आ गईं। बिजली का असर इतना तेज था कि किसी भी पशु को बचाने का मौका नहीं मिला। इस हादसे में पशुपालकों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के कई परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार पशुपालन है, ऐसे में एक साथ 10 गायों की मौत ने उन्हें गहरा झटका दिया है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और प्रशासन को इसकी जानकारी दी। प्रभावित पशुपालकों ने शासन-प्रशासन से प्राकृतिक आपदा के तहत शीघ्र मुआवजा और आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

सरकंडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: दो शातिर चोर गिरफ्तार

बिलासपुर। सरकंडा पुलिस ने चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 11 महंगे स्मार्टफोन, कीमती घड़ियां और नकदी बरामद की है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज पटेल व सीएसपी निमितेश सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप कुमार आर्य के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पहले मामले में जोरापारा निवासी तारकेश्वर साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 20 जून की रात अज्ञात चोर उनके कमरे में घुसकर श्याओमी और सैमसंग कंपनी के दो मोबाइल, दो हाथ घड़ियां और नकदी चोरी कर ले गया। घेराबंदी कर चोरी का मोबाइल बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपी निखिल सोनी (24) को गिरफ्तार किया।

बीएसपी स्क्रैप चोरी मामला: 3 करोड़ की प्रॉपर्टी के दस्तावेज जब्त, मास्टरमाइंड के लॉकर से 50 लाख के गहने मिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से स्क्रैप चोरी कर अवैध कमाई करने वाले चोरों के ऑर्गेनाइज्ड नेटवर्क पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इस मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 7 दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल (न्यायिक रिमांड) भेज दिया गया है। जांच के दौरान पुलिस को करोड़ों रुपए की संपत्ति और निवेश से जुड़े अहम सुराग मिले हैं।

मामले के मुख्य आरोपी संजय सिंह से पूछताछ में खुलासा हुआ कि चोरी की कमाई को जमीन, मकान और सोने-चांदी के गहनों (ज्वेलरी) में इन्वेस्ट किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के लॉकर की जांच की, जहां से करीब 50 लाख रुपए के गहने (ज्वेलरी) और लगभग 3 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए।

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से निकलने वाले औद्योगिक कचरे यानी 'फ्लू डस्ट' को बाहर ले जाने के बहाने कीमती लोहा चोरी किया जा रहा था, जिसका खुलासा 26 मई 2026 को पुलिस की रेड में हुआ। पुलिस को भिलाई के हथखोज इलाके में स्थित ए.के. ट्रेडर्स में भारी मात्रा में संदिग्ध कबाड़ होने की सूचना मिली थी, जहां छापेमारी करने पर कई ट्रकों और हाइवा गाड़ियों में लोहे की भारी प्लेटें, बीम कटिंग्स और अन्य स्क्रैप लोड मिले। जांच में यह साफ हुआ कि बीएसपी से चोरी किए गए इस लोहे को बेहद शातिर और योजनाबद्ध तरीके से एक जगह जमा किया जाता था और फिर उसे बाजार में बेचकर खपाया जा रहा था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 250 टन लोहे की प्लेट, बीम कटिंग और अन्य स्क्रैप सामग्री जब्त की थी। इसकी अनुमानित कीमत करीब 90 लाख रुपए आंकी गई है। इसके अलावा परिवहन और लोडिंग में इस्तेमाल किए गए वाहन, मशीनें भी जब्त की गई थीं। कुल जब्ती की कीमत करीब 3.22 करोड़ रुपए बताई गई है।

अब तक 12 आरोपी गिरफ्तार

इस मामले में पहले ही 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। वहीं मुख्य आरोपी संजय सिंह फरार था। उसकी तलाश में पुलिस टीम उत्तर प्रदेश भेजी गई थी, जहां देवरिया क्षेत्र से उसे गिरफ्तार किया गया। 16 जून को गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सात दिन की रिमांड ली। पूछताछ के दौरान अमित शर्मा उर्फ कैलाश शर्मा और आकाश कुमार सिंह की भूमिका भी सामने आई, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने चोरी के लोहे की बिक्री और उससे हुई कमाई को संपत्तियों में लगाने की बात स्वीकार की है।

संपत्तियों की जांच और कुर्की की तैयारी

जांच के दौरान पुलिस आरोपियों को खुर्सीपार गेट से एसएमएस-3 तक मौके पर लेकर गई, जहां पूरी घटना का सीन री-क्रिएट करके सबूत जुटाए गए। इसके साथ ही पुलिस ने गाड़ियों की वे फर्जी नंबर प्लेटें भी जब्त की हैं, जिनका इस्तेमाल कबाड़ की तस्करी में किया गया था। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की जमीन, मकान और बैंक खातों जैसी संपत्तियों की जांच की जा रही है और जरूरत पड़ने पर इन्हें जब्त (कुर्क) भी किया जाएगा। इस मामले में अब तक कुल 12 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

म्युल अकाउंट नेटवर्क का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, 81 एटीएम व 62 बैंक पासबुक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार पुलिस एवं एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन जुआ-सट्टा संचालन हेतु उपयोग किए जा रहे म्युल अकाउंट नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया। गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाकर अवैध वित्तीय लेन-देन एवं ऑनलाइन सट्टा संचालन किया जा रहा था। आरोपियों के कब्जे से 81 एटीएम कार्ड, 62 बैंक पासबुक, 05 चेकबुक, 13 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, लैपटॉप एवं हार्ड डिस्क जप्त कर लगभग 2.50 लाख रुपये की सामग्री बरामद की गई।

दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में जुआ, सट्टा, साइबर अपराध एवं अवैध वित्तीय गतिविधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 जून 2026 को थाना खुर्सीपार में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक तुलसी बिझेकर को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आईटीआई खेल मैदान खुर्सीपार स्थित बिजली पोल के पास तीन युवक लैपटॉप एवं मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन जुआ-सट्टा का संचालन कर रहे हैं तथा उनके पास भारी मात्रा में बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड एवं अन्य बैंकिंग दस्तावेज मौजूद हैं।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी खुर्सीपार को अवगत कराया गया, जिसके पश्चात तत्काल पुलिस टीम गठित कर स्वतंत्र गवाहों को साथ लेकर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस टीम के पहुंचने पर संदिग्ध व्यक्तियों ने भागने का प्रयास किया, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। मौके पर आरोपियों से पूछताछ करने पर उनके कब्जे से विभिन्न बैंकों की पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, लैपटॉप एवं हार्ड डिस्क बरामद किए गए। पकड़े गए आरोपियों में अजय मिश्रा (23) वर्ष, निवासी सेक्टर-01, भिलाई, दीपक कुमार, (32) निवासी ग्राम नगदोई, जिला नालंदा, बिहार तथा करण कुमार सिंह (26) निवासी बालाजी नगर, खुर्सीपार, भिलाई शामिल हैं।

पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा ऑनलाइन जुआ-सट्टा संचालन एवं अवैध वित्तीय लेन-देन में संलिप्त होना स्वीकार किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ऑनलाइन सट्टा संचालन के लिए अन्ना रेड्डी ऑनलाइन बेटिंग एप्लीकेशन का उपयोग करते थे। आईपीएल सीजन के दौरान आरोपियों द्वारा रांची (झारखंड) में रहकर ऑनलाइन सट्टा संचालन एवं उससे संबंधित वित्तीय गतिविधियों का संचालन किया जाना प्रारंभिक जांच में पाया गया है। मौके पर बरामद सामग्री का पंचनामा तैयार किया गया। जप्त सामग्री पर वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर आरोपियों एवं सामग्री को थाना लाया गया, जहां विधिवत जप्ती एवं अन्य कानूनी कार्यवाही की गई।

प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 236/2026 धारा 318(2), 318(3), 318(4), 319 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 5, 6 एवं 7 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को पैसों का प्रलोभन देकर उनके नाम से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाते थे। खाता खुलने के पश्चात संबंधित व्यक्तियों से पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं मोबाइल सिम अपने कब्जे में रख लेते थे। साइबर अपराध एवं अवैध वित्तीय लेन-देन में ऐसे खातों को सामान्यतः म्युल अकाउंट कहा जाता है। आरोपी इन खातों का उपयोग अन्ना रेड्डी ऑनलाइन बेटिंग एप्लीकेशन के माध्यम से संचालित ऑनलाइन जुआ-सट्टा से प्राप्त धनराशि को विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने, अवैध लेन-देन को छिपाने तथा रकम की निकासी करने के लिए करते थे। इसके लिए अलग-अलग मोबाइल नंबर, सिम कार्ड, बैंक खाते एवं डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाता था ताकि वास्तविक वित्तीय प्रवाह एवं संचालकों की पहचान छिपाई जा सके। प्रारंभिक जांच में यह भी ज्ञात हुआ है कि आईपीएल सीजन के दौरान आरोपियों द्वारा रांची (झारखंड) से नेटवर्क संचालित किया गया था तथा विभिन्न व्यक्तियों के बैंक खातों का उपयोग ऑनलाइन सट्टे से प्राप्त धनराशि के लेन-देन के लिए किया जा रहा था। बरामद डिजिटल उपकरणों, बैंक खातों एवं वित्तीय ट्रांजेक्शनों का तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण जारी है।

उक्त कार्यवाही में थाना खुर्सीपार पुलिस एवं एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की सराहनीय भूमिका रही। विशेष रूप से सउनि तुलसी बिझेकर, प्रधान आरक्षक बल्लूराम सपहा, पेट्रोलिंग स्टाफ एवं साइबर टीम के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण, घेराबंदी एवं त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी व्यक्ति को अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल सिम अथवा बैंकिंग दस्तावेज उपयोग हेतु उपलब्ध न कराएं। ऐसे दस्तावेज साइबर अपराध, ऑनलाइन जुआ-सट्टा, वित्तीय धोखाधड़ी एवं मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में प्रयुक्त हो सकते हैं। किसी भी संदिग्ध वित्तीय गतिविधि अथवा साइबर अपराध की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें।

प्लेसमेंट पर चेन्नई गई सरगुजा की तीन युवतियां बंधक! वीडियो जारी कर लगाई मदद की गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर की 3 युवतियां प्लेसमेंट पर नौकरी के लिए चेन्नई गई और अब वहां से निकल नहीं पा रही हैं। वे घर वापस आना चाह रही हैं लेकिन उन्हें जाने नहीं दिया जा रहा है। तीनों युवतियों ने वीडियो जारी कर मदद की गुहार लगाई है। वीडिया सामने आने के बाद सीतापुर विधायक ने युवतियों की सकुशल वापसी का भरोसा दिलाया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भरतपुर बेलजोरा की रहने वाली प्रतिमा, राधा और जगेश्वरी ने जशपुर में सिलाई प्रशिक्षण लिया था। उन्हें प्रशिक्षण के बाद चेन्नई में रोजगार दिलाने का वादा किया गया था। यह भी आश्वासन दिया गया था कि काम पसंद न आने पर वे वापस लौट सकती हैं।

इसी भरोसे पर तीनों युवतियां चेन्नई चली गईं। युवतियों के अनुसार, उन्हें चेन्नई पहुंचाने वाले लोग अब संपर्क में नहीं हैं। वे उनके फोन भी नहीं उठा रहे हैं। युवतियों का आरोप है कि कार्यस्थल से उन्हें घर जाने की अनुमति नहीं मिल रही है। घर जाने की इच्छा जताने पर उन्हें 10-10 हजार रुपये जमा करने को कहा गया है। उन्होंने घर लौटने के लिए ट्रेन टिकट भी बुक करा लिए हैं, लेकिन उन्हें वहां से निकलने नहीं दिया जा रहा है।

पीड़ित युवतियों ने वीडियो संदेश के माध्यम से मदद मांगी है। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सुरक्षित वापसी की अपील की है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो को मामले की जानकारी मिली। उन्होंने सरगुजा पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल से चर्चा की। विधायक ने युवतियों की सकुशल वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। विधायक ने पुलिस प्रशासन को मामले से अवगत करा दिया है। युवतियों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास शुरू हो गए हैं। सूचना मिलते ही सरगुजा पुलिस भी सक्रिय हो गई है। पुलिस युवतियों के कार्यस्थल की जानकारी जुटा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बारे में भी जानकारी एकत्र की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि जल्द युवतियों को सकुशल वापस लाया जाएगा।

6 दिन बाद कब्र से निकाला शव, करंट से मौत की पुष्टि

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । कोरबा जिले के पाली विकासखंड के नगोई गांव में एक मजदूर की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। 16 जून को छत ढलाई के दौरान लिफ्ट मशीन के तार की चपेट में आने से 28 वर्षीय नवीन कुमार की मौत हो गई थी। अब पत्नी की मांग पर 6 दिन बाद शव को कब्र से निकालकर जांच की गई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पोड़ी मड़वामौहा निवासी नवीन कुमार शिवलाल पोर्ते के घर छत ढलाई का काम कर रहा था। इसी दौरान वह लिफ्ट मशीन के विद्युत तार की चपेट में आ गया और उसे करंट लग गया। नवीन को तत्काल पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोप है कि अस्पताल ने पुलिस को सूचना दिए बिना और पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव परिजनों को सौंप दिया था। परिजनों ने 16 जून को सामाजिक रीति-रिवाज से उसका अंतिम संस्कार कर दिया। उन्हें बताया गया था कि पोस्टमार्टम हो चुका है और कोरे कागज पर हस्ताक्षर भी कराए गए थे। घटना के बाद परिजनों को पता चला कि मौत करंट लगने से हुई है। इसके बाद मृतक की पत्नी ने 19 जून को पाली थाने में लिखित शिकायत दी। उन्होंने शव का दोबारा परीक्षण कराने की मांग की और डॉक्टर पर गुमराह करने और बिना पोस्टमार्टम शव सौंपने का आरोप लगाया।शिकायत के बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर नायब तहसीलदार सुजीत पाटले, फोरेंसिक विशेषज्ञ सत्यजीत सिंह कोसरिया, पाली थाना पुलिस और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची।

टीम ने ग्राम सरपंच और परिजनों की मौजूदगी में शव को कब्र से निकालकर पंचनामा और जांच की। इसके साथ ही घटना स्थल नगोई का भी निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि जिस घर में छत की ढलाई का काम चल रहा था, वहां बिजली कनेक्शन सीधे बॉक्स से न लेकर लूपिंग के जरिए किया गया था और कई जगह केबल खुले हुए थे। फोरेंसिक एक्सपर्ट सत्यजीत सिंह कोसरिया ने बताया कि शव पर करंट के प्रवेश और निकास के प्राथमिक साक्ष्य मिले हैं। मृतक के हाथ में काले और पैर के पास नीले निशान देखे गए हैं।

पुरानी-रंजिश के चलते युवक पर चाकू से हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर देर रात चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सुपेला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फिलहाल उसका इलाज जारी है। घायल युवक की पहचान अन्नू यादव (35) निवासी वृंदानगर, भिलाई के रूप में हुई है। अन्नू अपने मोहल्ले के सामने ही नाश्ते की दुकान संचालित करता है। बताया जा रहा है कि देर रात कुछ लोगों ने उस पर एक के बाद एक कई चाकू से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस हमलावरों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है। रिश्तेदारों का कहना है कि मोहल्ले में लंबे समय से बाहरी लोगों का आना-जाना लगा रहता है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में नशे का कारोबार भी संचालित होता है, जिसके कारण अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती है।

उन्होंने बताया कि जिस युवक पर हमले का आरोप है, उसका संबंध भी इलाके के कुछ युवकों से बताया जा रहा है। रिश्तेदारों ने पुलिस से क्षेत्र में बढ़ रही ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि बाहरी लोगों की लगातार आवाजाही और आए दिन होने वाले विवादों से मोहल्लेवासी परेशान हैं। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में हमले की वजह पुरानी रंजिश सामने आ रही है। हालांकि विवाद किस बात को लेकर हुआ, इसकी जांच अभी जारी है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चाकू दिखाकर डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। थाना रतनपुर पुलिस ने आम रास्ते में धारदार चाकू लहराकर आने-जाने वाले राहगीरों को डराने-धमकाने वाले आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 22 जून 2026 को दोपहर करीब 01:30 बजे थाना रतनपुर को सूचना मिली कि बैरागबन करैहापारा आम रास्ते में एक व्यक्ति धारदार लोहे का चाकू लेकर राहगीरों को दिखाकर भयभीत कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी विष्णु यादव ने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया और प्राप्त निर्देशों के अनुसार पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया। पुलिस टीम ने बैरागबन करैहापारा में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

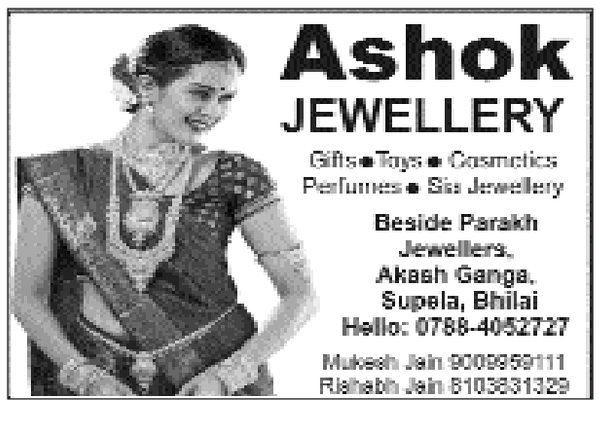

खास खबर

जीपीएम के जैविक विष्णुभोग चावल की खुशबू पहुंची राजधानी

रायपुर। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किया जा रहा जैविक विष्णुभोग चावल अब राज्य स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव को जिले का प्रसिद्ध जैविक विष्णुभोग चावल भेंट किया। यह चावल अरपा बिहान महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जैविक विधि से तैयार किया गया है।

70 प्रतिशत दिव्यांग बालती बाई को मिला सुरक्षित आश्रय

जशपुर। 70 प्रतिशत दिव्यांग बालती बाई को मिला सुरक्षित आश्रय जशपुर विकासखंड के ग्राम कोमडो निवासी 24 वर्षीय दिव्यांग बालती बाई को जिला प्रशासन की तत्पर पहल से सुरक्षित आश्रय और बेहतर देखभाल की सुविधा उपलब्ध हो गई है। 70 प्रतिशत सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बालती बाई के पुनर्वास के लिए उनके पिता सुखराम उरांव द्वारा कलेक्टर रोहित व्यास के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

छात्रवृत्ति नवीनीकरण : 30 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सत्र 2026-27 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने पात्र विद्यार्थियों से 30 जून 2026 तक आवेदन करने की अपील की है।

बिहान की महिलाओं ने प्राकृतिक खेती से लिखी सफलता की नई इबारत, कम लागत में अधिक पैदावार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) एवं कृषि विभाग के संयुक्त प्रयासों से दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा अंतर्गत ग्राम पेंड्रावन की महिलाओं ने प्राकृतिक खेती को अपनाकर आत्मनिर्भरता, नवाचार और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की है। मातृछाया उत्पादक महिला समूह की सदस्याएं आज प्रगतिशील किसान के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं और गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में जैविक खेती के प्रति जागरूकता का प्रसार कर रही हैं।

समूह की महिलाओं ने बताया कि बिहान से जुड़ने से पहले वे पारंपरिक तरीके से धान, गेहूं, चना एवं सब्जियों की खेती करती थीं, जिसमें रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अधिक निर्भरता थी। खेती की बढ़ती लागत, घटती आमदनी और मिट्टी की उर्वरता में लगातार आ रही कमी ने उन्हें चिंतित कर दिया था। ऐसे समय में बिहान मिशन और कृषि विभाग द्वारा आयोजित किसान गोष्ठियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं

तकनीकी मार्गदर्शन ने उन्हें प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित किया।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाओं ने अपने स्तर पर घनजीवामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं अग्नियास्त्र जैसे जैविक कृषि आदानों का निर्माण शुरू किया। इन जैविक उत्पादों के उपयोग से खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आई, भूमि की उर्वरता में सुधार हुआ तथा फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर हुई। सकारात्मक परिणामों से उत्साहित होकर समूह की महिलाओं ने अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना शुरू किया, जिससे गांव में जैविक कृषि के प्रति नई जागरूकता विकसित हुई है।

मातृछाया उत्पादक महिला समूह द्वारा तैयार जैविक उत्पादों और प्राकृतिक खेती के मॉडल को विकासखंड एवं जिला स्तरीय प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया जाता है, जहां उन्हें व्यापक सराहना और पहचान मिल रही है। समूह की सदस्याएं कृषि प्रशिक्षणों में भाग लेकर नई तकनीकों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त कर रही हैं।

टिकाऊ कृषि पद्धतियों को आगे बढ़ाने का प्रयास

सुकमा को जैविक जिला बनाने का आह्वान कार्यशाला में 500 से अधिक किसान शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। सुकमा जिले में किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सुकमा के संयुक्त तत्वावधान में 'खेती बचाओ अभियान' के तहत एक दिवसीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि बस्तर सांसद महेश कश्यप ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत किसानों और मत्स्य पालकों को आवश्यक सामग्री वितरित की। इस दौरान 4 मत्स्य पालकों को मत्स्याखेट के लिए आधुनिक जाल एवं आइस बॉक्स प्रदान किए गए, जिससे वे मछलियों का सुरक्षित भंडारण कर बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का निःशुल्क वितरण किया गया, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी।

कार्यशाला में कृषि, उद्यानिकी, मछलीपालन एवं पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खाद निर्माण, फसल विविधीकरण, पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़ी नवीन तकनीकों की जानकारी दी। किसानों को रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर पर्यावरण-अनुकूल खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सांसद महेश कश्यप ने किसानों से प्राकृतिक और जैविक खेती को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा की तरह सुकमा को भी जैविक जिला बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार की कृषि हितैषी योजनाओं तथा कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन से जिले के किसान आत्मनिर्भर बनेंगे और उनकी आय में वृद्धि होगी।

कार्यशाला में जिले के तीनों विकासखंडों से आए 500 से अधिक किसान भाई-बहनों ने सक्रिय सहभागिता की। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर, सहायक संचालक मछलीपालन उदय सबनक तथा उप संचालक कृषि पीआर बघेल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

खेती बचाओ अभियान' किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, लागत में कमी और उत्पादन में वृद्धि के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल कांकेर में आधुनिक एमआरआई सेवा प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल कांकेर में अत्याधुनिक एमआरआई मशीन का संचालन प्रारंभ हो गया है। इससे अब कांकेर जिले के मरीजों को एमआरआई जांच के लिए रायपुर सहित अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

स्थानीय स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों और उनके परिजनों को समय, धन और अन्य परेशानियों से राहत मिलेगी। गंभीर बीमारियों की जांच के लिए पहले मरीजों को एमआरआई कराने हेतु जिले से बाहर जाना पड़ता था, जिससे आने-जाने का खर्च, समय और उपचार में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। अब मेडिकल कालेज हॉस्पिटल में एमआरआई जांच सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

पखांजूर निवासी बीपीएल कार्ड धारक गुरुदास बिस्वास ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा एमआरआई जांच की सलाह दी गई थी, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बड़े शहर जाकर जांच नहीं करा पा रहे थे। रायपुर या अन्य शहरों में एमआरआई जांच कराने के लिए आने-जाने का किराया, ठहरने और अन्य खर्चों को वहन करना उनके लिए मुश्किल था। अब चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल कांकेर में ही एमआरआई सुविधा उपलब्ध होने से उन्होंने आसानी से अपनी जांच कराई। उन्होंने बताया कि उनके जैसे कई मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और समय के साथ आर्थिक बोझ भी कम होगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना में महिला राज मिस्त्रियों को मिला काम, बढ़ा आत्मविश्वास, बनी आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दुर्ग जिले के ग्राम बठेना में एक प्रेरणादायक पहल आकार ले रही है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), दुर्ग द्वारा संचालित 30 दिवसीय रूरल मेसन (राजमिस्त्री) प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ आवास निर्माण को बढ़ावा देने के साथ यह प्रशिक्षण महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रहा है।

ग्राम बठेना में आयोजित इस प्रशिक्षण में 35 ग्रामीण महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। जो

महिलाएं कभी निर्माण कार्य को पुरुषों का क्षेत्र मानती थीं, वे आज राजमिस्त्री बनने का कौशल सीखकर आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही हैं। यह प्रशिक्षण केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आर्थिक स्वावलंबन की भावना भी विकसित कर रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को भवन निर्माण की विभिन्न तकनीकों का व्यवहारिक और तकनीकी ज्ञान दिया जा रहा है। इसमें नींव निर्माण, दीवारों की वैज्ञानिक संरचना, छत ढलाई, प्लास्टर, फ्लोरिंग, फिनिशिंग तथा निर्माण सामग्री के सही अनुपात और उपयोग की जानकारी शामिल है। साथ ही आधुनिक निर्माण तकनीकों, सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे बेहतर और टिकाऊ निर्माण सुनिश्चित हो सके।

इस प्रशिक्षण की विशेषता यह है कि महिलाओं को केवल सैद्धांतिक जानकारी नहीं, बल्कि वास्तविक निर्माण कार्यों के माध्यम से व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर अनिता चारभे के मार्गदर्शन में महिलाएं निर्माण कार्य की बारीकियां सीख रही हैं और आत्मविश्वास के साथ इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क ड्रेस, टूल किट और भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सीईओ जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बनने वाले घरों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने राजनांदगांव में 333 विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन, 510 करोड़ की बड़ी सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव के स्टेट हाई स्कूल मैदान में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन एवं लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजनांदगांव जिले को 510 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की लागत के 333 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने शिवनाथ नदी के मोहारा मेला स्थल से ऑक्सीजन जोन तक सस्पेंशन ब्रिज, ईरा एनीकट निर्माण एवं संरक्षण कार्य, कुमरदा-गेंदाटोला-कल्लूबंजारी मार्ग निर्माण तथा घुमरिया व्यपवर्तन जीर्णोद्धार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खरीफ 2026 से कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन अथवा अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी और अन्य किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। खाद और बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए शासन प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की है, जहां नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज कराकर निर्धारित समय-सीमा में समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के माध्यम से आय, जाति, निवास सहित विभिन्न विभागों की 400 से अधिक सेवाएं घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि फसल चक्र परिवर्तन एवं जल संरक्षण के लिए किसानों एवं ग्रामवासियों में जागृति लाने के लिए पद्मश्री फूलबासन बाई यादव महिला स्वहसहायता समूह की महिलाओं के साथ अप्रैल-मई की दोपहरी में यात्रा करती रही और एक अद्भुत कार्य किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं एबीस एक्सपोर्ट के बीच किसानों के सोयाबीन उत्पाद की खरीदी के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों, कृषि सखी दीदियों, सरपंचों तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का सम्मान किया गया।

किसानों को कृषि कार्य हेतु डीजल-पेट्रोल उपलब्ध कराने कलेक्टर के निर्देश

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के सभी रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) संचालकों को किसानों को कृषि कार्य के लिए आवश्यक ईंधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सभी रिटेल आउटलेट पंपों के माध्यम से किसानों को उनके ट्रैक्टर एवं कृषि कार्य से संबंधित वाहनों की टंकी में मांग के अनुसार पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध कराया जाएगा। अनुमति प्राप्त होने पर किसानों को कृषि कार्य के लिए सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए नियंत्रित तरीके से ड्रम, बोतल एवं जेरीकेन में भी पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में पर्याप्त उपलब्धता होने के बावजूद यदि किसी पेट्रोल पंप द्वारा किसानों को डीजल अथवा पेट्रोल उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो किसान जिला कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 9691901259 पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

इंडो-नेपाल ताइक्वांडो में रायगढ़ का शानदार प्रदर्शन

10 स्वर्ण पदक जीतकर किया देश-प्रदेश को गौरवान्वित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रायगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। रायगढ़ किड्स ताइक्वांडो एकेडमी स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे जिले में उत्साह का माहौल है।

इस उपलब्धि के बाद खिलाड़ियों ने आज रायगढ़ स्थित कार्यालय में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर श्री चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ की खेल क्षमता को नई पहचान

दिलाई है। उन्होंने कहा कि 10 स्वर्ण पदक जीतना खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

श्री चौधरी ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्र गौरव का भी सशक्त आधार है। रायगढ़ के इन युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से प्रदेश के अन्य युवाओं को भी खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा दी है।

उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बड़ी उपलब्धियां हासिल कर छत्तीसगढ़ तथा भारत का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

बलरामपुर के कुसमी में हो रहा था बालक-बालिका का विवाह, रुकवाकर दी समझाइश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वित प्रयासों से राज्यभर में बाल विवाह रोकथाम की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत कोरंधा में एक नाबालिग बालिका का बाल विवाह समय रहते रुकवाकर उसके सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित क्षेत्र में नाबालिग बालिका का विवाह तय किए जाने की सूचना मिलते ही महिला एवं

बाल विकास विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान बालक एवं बालिका दोनों की आयु विवाह के लिए निर्धारित वैधानिक आयु से कम पाई गई। इसके बाद टीम ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह के कानूनी एवं सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराया।

अधिकारियों ने परिजनों को समझाया कि अल्पायु में मातृत्व से बालिकाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। समझाइश के पश्चात परिजनों ने विवाह स्थगित करते हुए बच्चों की निर्धारित आयु पूर्ण होने के बाद ही विवाह करने की सहमति व्यक्त की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950